कोटद्वार, शनिवार
20 अप्रैल 2024
वर्षः 45
अंकः 344 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापकः स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड में संपन्न हुआ लोकसभा चुनाव, 53.56% हुई वोटिंग

देहरादून । देशभर में आज लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए वोटिंग हुई। उत्तराखंड में भी लोकसभा की पांच सीटों के लिए वोट डाले गये। सुबह से ही वोटिंग को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। आम वीवीआईपी, नेता, क्रिकेटर, गायक, खिलाड़ी, साधु संतों के साथ आम जनता ने उत्तराखंड लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग की। आइये आपको बताते हैं वोटिंग के दिन उत्तराखंड में कब क्या हुआ।

उत्तराखंड में 19 अप्रैल को 83 लाख से अधिक वोटर्स ने 55 लोकसभा प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला किया। उत्तराखंड में शुक्रवार 19 अप्रैल को सुबह 7 बजे से लोकसभा चुनाव 2024 की वोटिंग शुरू हुई(सुबह 7 बजे से ही बूथों पर लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ। इस दौरान पहली बार वोट डालने आए युवा खासे उत्साहित नजर आये।

सुबह सबसे पहले उधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में ईवीम मशीन में तकनीकी दिक्कत के कारण खालसा स्कूल के मतदान केंद्र पर आधा घंटा देरी से वोटिंग शुरू हुई। नैनीताल लोकसभा सीट पर लालकुआं विधानसभा क्षेत्र में करीब आधा दर्जन पोलिंग बूथ पर ईवीएम मशीन खराब हुई, जिन्हें तुरंत बदला गया। ऐसी ही खबर लालकुआं विधानसभा क्षेत्र से भी आई।

इसके बाद सुबह ही हरिद्वार लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी और पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने देहरादून में पत्नी संग किया वोट। बीजेपी नेता किशोर उपाध्याय ने ठीक 7 बजे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पाली–चडियारा मतदान केन्द्र टिहरी पर मतदान किया। ऊधमसिंह नगर के जिला निर्वाचन अधिकारी उदय राज ने भी किया मतदान।

सुबह 9 बजे के बाद उत्तराखंड के राज्यपाल रि। लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने भी वोट किया। राज्यपाल ने शहिद मेख बहादुर गुरुंग कैंट कन्या इंटर कॉलेज, गढ़ी, देहरादून में मतदान किया। सुबह 9 बजे तक उत्तराखंड में कुल 10।54 फीसदी मतदान हुआ है सुबह 9।35 बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने गृह क्षेत्र खटीमा में परिवार संग वोट किया।

बागेश्वर में कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप टम्टा ने प्राथमिक विद्यालय सरना में बने पोलिंग बूथ पर मतदान किया। 11 बजे के आसपास पौड़ी गढ़वाल लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी अनिल बलूनी ने नकोट में वोट डाला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इसी दौरान अल्मोड़ा–पिथौरागढ़ लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी अजय टम्टा ने अल्मोड़ा के दुगालखोला पंचायत घर में वोट डाला। भाजपा प्रत्याशी अजय टम्टा ने अपनी पत्नी के साथ पहुंचकर किया मतदान। यहां एसएसपी मंजू नाथ टीसी ने भी परिवार संग किया मतदान।

सुबह 10 बजे बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल उर्वशी रौतेला ने भी कोटद्वार में मतदान किया। मतदान के बाद उर्वशी रौतेला वापस मुंबई के लिए रवाना हो गईं। योग गुरु बाबा रामदेव ने भी सुबह हरिद्वार के कनखल स्थित दादू बाग में अपने सहयोगी आचार्य बालकृष्ण के साथ मताधिकार का प्रयोग किया।11 बजे के आसपास उत्तराखंड के पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने टिहरी लोकसभा सीट के, मसूरी विधानसभा क्षेत्र में बूथ संख्या 83 में बेटी आरुषि निशंक एवं विदुशी निशंक के साथ मतदान किया।

11।15 मिनट पर उत्तराखंड में ईवीएम के विरोध की खबर आई। हरिद्वार में एक मतदाता ने ईवीएम का विरोध करते हुए पोलिंग बूथ पर रखी ईवी मशीन को ही नीचे पटक डाला। ये घटना हरिद्वार विधानसभा के मतदान केंद्र ज्वालापुर इंटर कॉलेज की है। इसके बाद 11।30 के आसपास नैनीताल उधमसिंह नगर लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी अजय भट्ट ने रानीखेत में अपने मत का प्रयोग किया। इसी दौरान हरीश रावत ने देहरादून की आईटीआई माजरी ग्रांट में मतदान किया।

नैनीताल–उधमसिंह सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने नैनीताल–उधमसिंह नगर लोकसभा सीट की कालाढूंगी विधानसभा सीट में गेबुआ खेमपुर में अपने गृह क्षेत्र में परिवार संग वोट किया।

12।15 बजे के आसपास उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी ने भी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए वोट डाला।

उन्होंने अपने गृह जिले पौड़ी में वोट डाला। दोपहर 12।27 के आसपास पिथौरागढ़ जिले में तीन गांवों से चुनाव बहिष्कार की खबर आई। दोपहर 2 बजे के बाद टिहरी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाह ने नरेंद्रनगर में मतदान किया।

उत्तराखंड में दोपहर 3 बजे तक कुल 45।53 फीसदी मतदान हुआ। अल्मोड़ा लोकसभा सीट में 38।43 फीसदी मतदान हुआ, गढ़वाल लोकसभा सीट में 42।12 फीसदी मतदान, हरिद्वार लोकसभा सीट में 49।62 फीसदी मतदान, नैनीताल उधमसिंह नगर लोकसभा सीट में 49।94 फीसदी मतदान हुआ, टिहरी लोकसभा सीट पर 43।61 फीसदी मतदान हुआ। इसके बाद शाम पांच बजे तक उत्तराखंड में 53।56 फीसदी वोटिंग हुई।

गढ़वाल सीट पर घटा मतदान प्रतिशत, चिंता में राजनीतिक दल

देहरादून। गढ़वाल संसदीय क्षेत्र में इस बार मतदान जिस प्रकार घटा है, उसने राजनीतिक दलों को भी चौंका दिया है। मताधिकार के प्रयोग में तराई यानी मैदानी क्षेत्रों ने पर्वतीय क्षेत्रों को काफी पीछे छोड़ दिया। रामनगर विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 60.82 प्रतिशत मतदान हुआ। कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र 58.80 प्रतिशत मतदान के साथ दूसरे स्थान पर रहा।वहीं, देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 37.60 प्रतिशत मतदाताओं ने ही मतदान में रुचि दिखाई। इस सीट पर कुल 13 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा, चार जून को चुनाव परिणाम घोषित होने पर ही इसका पता चल सकेगा।

गढ़वाल संसदीय क्षेत्र में 13 प्रत्याशी मैदान में

गढ़वाल संसदीय क्षेत्र में 13 प्रत्याशी चुनाव में भाग्य आजमा रहे हैं। शुक्रवार को मतदान के साथ ही इन सभी प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। इस बार चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा था। मुख्य राज्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से मतदान बढ़ाने के लिए प्रयास किए गए, लेकिन इन्हें सफलता मिलती नजर नहीं आई। पर्वतीय क्षेत्र बहुल इस सीट पर मतदान पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में काफी घटा है।

छह प्रतिशत से अधिक घट गया मतदान

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस संसदीय क्षेत्र में कुल मतदान 55.17 प्रतिशत था। इस बार यह घटकर 48.81 प्रतिशत रह गया है। मतदान की यह जानकारी अभी अनंतिम है। दूरस्थ क्षेत्रों से आंकड़े उपलब्ध होने के बाद ही तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पांच विधानसभा क्षेत्रों में मतदान 37 प्रतिशत से 42 प्रतिशत के बीच सिमट गया। देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 37.60 प्रतिशत मतदान हुआ।

लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र में भी 39.10 प्रतिशत मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का उपयोग किया। पर्वतीय क्षेत्रों में सर्वाधिक मतदान केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में 55.18 प्रतिशत हुआ। इस लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत 14 विधानसभा सीट में बद्रीनाथ को छोड़कर सभी पर भाजपा का कब्जा है। बद्रीनाथ सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुने गए विधायक राजेंद्र भंडारी भाजपा में सम्मिलित हो चुके हैं। अब यह विधानसभा सीट रिक्त है।

एक नजर

नैनीताल में नोडल अधिकारी की कार खाई में गिरने से मौत

नैनीताल। लोकसभा चुनाव में रामगढ़ ब्लॉक के नोडल अधिकारी डॉ. गौरव कांडपाल की कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में गंभीर रूप से घायल डॉक्टर को एंबुलेंस 108 की मदद से भवाली स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। रास्ते में एंबुलेंस खराब हो गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही डॉक्टर दम तोड़ चुके थे। डॉ. गौरव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ के चिकित्सा प्रभारी भी थे। लोकसभा चुनाव के दौरान हल्द्वानी में नैनीताल रोड निवासी 48 वर्षीय डॉ. गौरव कांडपाल पुत्र बीडी कांडपाल को रामगढ़ क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया था। शुक्रवार को वह पोलिंग बूथों का निरीक्षण करने के लिए निकले थे। दोपहर में करीब 12 बजे रामगढ़ के गागर क्षेत्र के समीप उनकी कार अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और खाई से घायल डॉक्टर को बाहर निकालकर एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी भवाली भेजा। सीएचसी भवाली के चिकित्सा प्रभारी डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही नोडल अधिकारी की मौत हो गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव की याचिका पर सुनवाई की स्थगित

नई दिल्ली ,। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को योग गुरु बाबा रामदेव की उस याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी, जिसमें कोविड–19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर के संबंध में उनके खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले की पीठ ने बिहार और छत्तीसगढ़ सरकारों द्वारा रामदेव के खिलाफ दर्ज एफआईआर की स्थिति के संबंध में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए और समय मांगने के बाद मामले को जुलाई में सुनवाई के लिए स्थगित कर दी। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में, पतंजलि के संस्थापक ने अपने खिलाफ सभी एफआईआर को एक साथ जोडऩे और उन्हें दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की है। उन्होंने अपने खिलाफ दायर कई मामलों की कार्यवाही पर रोक लगाने और दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने का भी अनुरोध किया है।

आईपीएस अधिकारी नलिन प्रभात बने एनएसजी प्रमुख

नई दिल्ली ,वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नलिन प्रभात को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रभात आंध्र प्रदेश कैडर के 1992 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी एवं वर्तमान में सीआरपीएफ के अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल के रूप में काम कर रहे हैं।?

इसी प्रकार आईपीएस सपना तिवारी को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में एडिशनल डायरेक्टर के पद पर तैनात किए जाने का भी आदेश जारी किया गया है।

सीएम धामी ने पत्नी व अपनी मां संग किया मतदान

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पत्नी व अपनी मां के साथ खटीमा स्थित अपने बूथ पर पहुंचे और मतदान किया। शुक्रवार को मतदान के दौरान वह बूथ के बाहर बनी लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करने लगे। उन्हें ऐसा करते देख लोगों में चर्चा होने लगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की जनता से पहले मतदान फरि जलपान की अपील की। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के सभी सम्मानित मतदाताओं से विनम्र निवेदन करता हूं कि आज लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने मताधिकार का सदुपयोग कर देश की विकास यात्रा को जारी रखने हेतु सक्षम सरकार चुनने में अपना योगदान दें। आपका एक वोट बहुमूल्य है।लोकसभा चुनाव के पहले चरण में उत्तराखंड की पांचों सीटों के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है। मेरा उत्तराखंड की देवतुल्य जनता और मतदाताओं, बड़े–बुजुर्ग, माताओं, बहनों, नौजवानों से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। कहा कि विशेषकर नवमतदाता, जो पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने वाले हैं, उनसे भी आग्रह है कि वे लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपनी भूमिका निभाएं।

हरिद्वारः मतदान केंद्र पर वोटर ने ईवीएम तोड़ी, पुलिस ने हिरासत में लिया

हरिद्वार , उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर शुक्रवार सुबह सात बजे से मतदान हो रहा है। लोग अपने मतों का प्रोयग करने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। इस बीच हिंसा और तोडफ़ोड़ की खबरें सामने आई हैं। हरिद्वार लोकसभा सीट पर मतदाता द्वारा ईवीएम मशीन तोडऩे की घटना सामने आई है। हरिद्वार विधानसभा के मतदान केंद्र 126 ज्वालापुर इंटर कॉलेज में एक मतदाता ने ईवीएम तोड़ दिया। मतदाता ने ईवीएम मशीन का विरोध करते हुए पोलिंग बूथ पर रखी मशीन को नीचे पटक दिया। उसने चिल्लाते हुए कहा कि हम ईवीएम मशीन का विरोध करते हैं। उसने कहा कि बैलेट पेपर से चुनाव कराओ। फिलहाल पुलिस ने मतदाता को हिरासत में ले लिया है। ईवीएम मशीन टूट गई, लेकिन बाद में उसे चालू किया गया। मतदाता की इस हरकत से मतदान केंद्र पर अफरा–तरफी का माहौल बन गया।

रांची—जमशेदपुर में कैंडिडेट तय नहीं कर पा रहा इंडिया गठबंधन

भाजपा प्रत्याशियों ने 50 दिन में नाप डाला चप्पा–चप्पा

रांची ,झारखंड की रांची और जमशेदपुर लोकसभा सीटों पर 'इंडिया' गठबंधन प्रत्याशी तय नहीं कर पा रहा है। इन दोनों क्षेत्रों में गठबंधन के नेता–कार्यकर्ता असमंजस में हैं। चुनाव में बमुश्किल 35 दिन बाकी हैं। लेकिन, अभी तक इनकी ओर से न प्रचार अभियान शुरू हुआ है और न ही जनसंपर्क। दूसरी तरफ भाजपा ने करीब 50 दिन पहले अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए थे, जिन्होंने प्रचार अभियान में संसदीय क्षेत्र के ज्यादातर इलाके नाप दिए हैं। गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग का जो फार्मूला तैयार हुआ है, उसके मुताबिक रांची सीट पर कांग्रेस और जमशेदपुर सीट पर झामुमो को प्रत्याशी देना है। रांची सीट पर कांग्रेस की प्रदेश कमेटी ने पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय का नाम केंद्रीय कमेटी के पास भेजा था। इस बीच करीब पंद्रह दिन पहले इस सीट पर भाजपा की ओर से पांच बार सांसद रहे रामटहल चौधरी कांग्रेस में शामिल हो गए तो माना गया कि पार्टी उन्हें प्रत्याशी बनाएगी। बताया जा रहा है कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने उम्र के तकाजे के आधार पर इन दोनों के नाम खारिज कर दिए हैं। सुबोधकांत की उम्र 72 वर्ष है, जबकि रामटहल चौधरी 82 वर्ष के हैं। ऐसे में नेतृत्व के समक्ष प्रदेश कमेटी की ओर से तीसरा नाम राज्य के मौजूदा स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का प्रस्तावित किया गया। लेकिन, उनके नाम पर भी सहमति को लेकर इस वजह से अड़चन आ रही है कि वे जमशेदपुर के रहने वाले हैं। ऐसे में पार्टी इस उधेड़बुन में उलझ गई है कि उनकी रांची में कितनी स्वीकार्यता होगी ?

इस बीच सुबोधकांत सहाय की पुत्री यशस्विनी सहाय का नाम भी उम्मीदवारी के लिए आगे बढ़ाया गया है। हालांकि, यशस्विनी अब तक राजनीति में सक्रिय नहीं हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 : देश की 102 सीटों पर छिटपुट घटनाओं को छोड़ शांतिपूर्ण रहा मतदान

नई दिल्ली ,देश में लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में 102 सीटों पर मतदान संपन्न हुआ। 102 सीटों पर 1625 उम्मीदवार मैदान में थे। छिटपुट घटनाओं को छोडक़र सभी जगह मतदान शांतिपूर्ण रहा।

मणिपुर व पश्चिमी बंगाल में हिंसा की खबर है। राजस्थान में कुछ जगह मारपीट व धमकी देने की घटनाएं सामने आई हैं। पहला चरण देश के 102 लोकसभा सीटों में संपन्न हो गया। छिटपुट घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो देश के 21 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में मतदान शांतिपूर्ण रहा।

शुक्रवार को जिन केंद्रीय मंत्रियों के भाग्य का फैसला वोटिंग मशीन में बंद हुआ उनमें नागपुर से नितिन गडकरी, डिब्रूगढ़ से सर्बानंद सोनोवाल, अरुणाचल पश्चिम से किरण रिजिजू, उधमपुर से जितेंद्र सिंह, अलवर से भूपेंद्र यादव, बीकानेर से अर्जुन राम मेघवाल व तमिलनाडु के नीलगिरी से एल मुरुगन शामिल रहे।

चुनाव आयोग के मुताबिक पहले चरण के मतदान के लिए देश भर में 1.87 लाख मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन मतदान केंद्रों पर कुल 16.63 करोड़ से अधिक मतदाता थे।

शराब, नशीले पदार्थों, नकदी आदि की अवैध खेप पर नजर रखने के लिए 1,374 अंतरराज्यीय और 162 अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकियों पर निगरानी रखी गई। शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए सडक़ मार्ग और सीमाओं के अलावा समुद्री और हवाई मार्ग पर भी कड़ी निगरानी रखी गई।

दुनिया की सबसे छोटे कद की महिला ने नागपुर में डाला वोट

नागपुर , देश में 21 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेश की 102 सीटों पर मतदान जारी है। इस बीच नागपुर में दुनिया की सबसे छोटे कद की महिला ज्योति आम्गे ने मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला। जब वह मतदान केंद्र पहुंची तो लाइन में खड़े सभी मतदाता उसकी तरफ देखने लगे, उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई। मतदान केंद्र पर भीड़ से बचने के लिए 62.8 सेमी (2 फीट, 3/4 इंच) लंबी ज्योति आम्गे मुस्कुराती हुई परिवार के सदस्यों की गोद में वोट डालने पहुंची। लाल ड्रेस में ज्योति आम्गे मतदान केंद्र पर पहुंची तो सब उन्हें देखकर मुस्कुराने लगे। कैमरामैन ने ज्योति को मतदान केंद्र में प्रवेश करने तक लगभग घेर कर रखा, सभी ज्योति को ही देख रहे थे। वोट डालने के बाद रोमांचित ज्योति ने गर्व से अपनी स्याही लगी उंगली दिखाते हुए आईएएनएस को बताया, यह मेरा दूसरा लोकसभा चुनाव का मतदान है। मैं पहले ही महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए दो बार मतदान कर चुकी हूं।

आपका वोट आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा : राहुल गांधी

नई दिल्ली , लोकसभा चुनाव के लिए आज शुक्रवार को 102 संसदीय क्षेत्रों में वोट डाले जा रहे हैं। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। राहुल गांधी ने मतदाताओं से अपील में कहा, याद रहे, आपका एक–एक वोट भारत के लोकतंत्र और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करने जा रहा है।

पहले चरण के मतदान पर की गई अपील में राहुल गांधी ने कहा कि आज पहले चरण का मतदान है। इसलिए बाहर निकलिए और पिछले 10 साल में देश की आत्मा को दिए गए ज़ख्मों पर अपने ह्यवोट का मरहमह्ण लगाकर लोकतंत्र को मजबूत कीजिए।नफ़रत को हरा कर खोल दीजिए हर कोने में ह्यमोहब्बत की दुकानह्ण। इससे पहले राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ताओं के लिए एक वीडियो संदेश भी जारी किया था।

सिर्फ जमानत के लिए लकवे का जोखिम नहीं उठा सकते— सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली , दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को ईडी पर उनके डॉक्टर द्वारा तैयार आहार चार्ट को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। जानबूझकर शुगर के स्तर को बढ़ाने के एजेंसी के आरोपों का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि वह सिर्फ जमानत के लिए लकवे का जोखिम नहीं उठा सकते। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने 22 अप्रैल के लिए डॉक्टर से परामर्श की मांग वाली सीएम केजरीवाल की अर्जी पर अपना फैसला सोमवार के लिए सुरक्षित रख लिया और तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि यदि आवश्यक हो, तो शनिवार तक जवाब दाखिल किया जाए।

सीएम केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि ईडी ने दावा किया कि वह जमानत पाने के लिए अपने ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। क्या सीएम केजरीवाल जमानत के लिए लकवे का जोखिम उठा सकते हैं? उन्होंने जो भी खाया, वह गिरफ्तारी से पहले डॉक्टर द्वारा तैयार डाइट चार्ट के अनुसार था।

आप की ओर से कहा गया कि ईडी संकीर्ण हो रहा है और सीएम केजरीवाल के भोजन का राजनीतिकरण कर रहा है। गुरुवार को जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि सीएम केजरीवाल जमानत के लिए केस बनाने को अपने ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ाने के लिए तिहाड़ जेल में जानबूझकर आम और अन्य मीठा भोजन कर रहे हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उत्पाद शुल्क नीति मामले में 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम केजरीवाल टाइप 2 डायबिटीज के मरीज होने के बावजूद जानबूझकर नियमित रूप से चीनी वाली चाय, केला, मिठाई, पूड़ी, आलू की सब्जी आदि का सेवन कर रहे हैं। ऐसी वस्तुओं के सेवन से शुगर के स्तर में वृद्धि होती है। एजेंसी ने यह भी कहा कि यह मेडिकल आपात स्थिति पैदा करने के लिए किया जा रहा है, ताकि इसके आधार पर जमानत प्राप्त किया जा सके।

कांग्रेस, सपा और बसपा देश की समस्या तो बीजेपी है समाधानः मुख्यमंत्री योगी

बुलन्दशहर/लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी ने देश की अस्मिता को बचाने के लिए कई नारे दिये, जिसका कांग्रेस मजाक उड़ाया करती थी। वहीं सपा और बसपा उनका सपोर्ट करती थी। कांग्रेस, बसपा और सपा देश की तमाम समस्याओं की जड़ है, जबकि भारतीय जनता पार्टी इन समस्याओं का समाधान है। कांग्रेस ने देश को धारा 370 दिया, जबकि भाजपा ने इसे समाप्त करके आतंकवाद की ताबूत पर अंतिम कील ठोकने का काम किया है। अब यहां विस्टोफ और आतंकवादी गतिविधियां नहीं होती हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उनके साथ उनके आका को भी ठीक कर दिया जाएगा। ऐसे में इस बार आस्था और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों, विकास से वंचित रखने वालों, युवा पीढ़ी और अन्नदाता किसानों के साथ अन्याय करने वालों और बेटी– व्यापारी को डराने वालों को एक–एक वोट के लिए तरसा दीजिये।

वोट बैंक की खातिर आस्था को खारिज कर रहे हैं इंडी गठबंधन वाले : मोदी

अमरोहा , समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हज़ारों वर्षों से चली आ रही आस्था और भक्ति को इंडी गठबंधन वाले सिर्फ वोट बैंक के लिए ख़ारिज कर रहे हैं।

दिल्ली–लखनऊराष्ट्रीय राजमार्ग से सटे मैदान पर चुनावी रैली को संबोधित करते हुये श्री मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा सरकारों में यहां के किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जाती थी लेकिन भाजपा सरकार किसानों पर पूरा ध्यान दे रही है। अमेरिका में जहां यूरिया प्रति बोरी तीन हज़ार रुपये में मिलती है वहीं हम भारत में किसानों को 300 रुपये में उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होने कहा हमें देश और उत्तर प्रदेश को बहुत आगे लेकर जाना है लेकिन इंडी गठबंधन की सारी शक्ति गांव, देहात को पीछे ले जाने में लगती है।इसी सोच के चलते अमरोहा और पश्चिम उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों को सबसे बड़ा खामियाज़ा भुगतान पड़ा है।

श्री मोदी ने कहा इंडी गठबंधन वाले सनातन से घृणा करते हैं। मैने श्रीकृष्ण की वास्तविक द्वारिका जो कि समुद्र में स्थित है, वहां पूजा की लेकिन कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि समुद्र में पूजा करने योग्य कुछ है ही नहीं। हमारी हज़ारों वर्षों से चली आ रही आस्था और भक्ति को ये लोग सिर्फ वोटबैंक के लिए ख़ारिज कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा उत्तर प्रदेश में एक बार फिर दो शहजादों (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) की जोड़ी की फिल्म की शूटिंग चल रही है।

संपादकीय

कम मतदान आखिर किसे नुकसान?

उत्तराखंड की पांचो लोकसभा सीटों पर राजनीतिक पारा भले ही चढ़ता हुआ नजर आ रहा हो लेकिन मौसम का मिला–जुला मिजाज भी मतदाताओं को अपेक्षाकृत मतदान स्थलों तक नहीं खींच पाया। लक्ष्य रखा गया था 75% मतदान का, लेकिन आंकड़ा यदि 60% तक भी पहुंचता है तो इसे एक बड़ी उपलब्धि मान कर संतोष करना होगा। शाम 5:00 बजे तक मतदान का प्रतिशत 53% के आसपास ही घूम रहा था और तभी यह मान लिया गया था कि पूरे राज्य में मतदान संपन्न होने तक यह आंकड़ा साथ प्रतिशत तक पहुंचना भी एक बड़ी उपलब्धि होगा। आखिर क्या कारण रहे कि चुनाव आयोग के 75% के लक्ष्य को मतदाताओं ने पूरे तरह से नकार दिया। मौसम की बात करे तो, गर्मी भी इतनी अधिक नहीं थी की मतदाता घर से बाहर न निकले, चुनाव आयोग ने भी विभिन्न माध्यमों से मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए सभी प्रयास किया लेकिन मतदाताओं की उदासीनता से अब राजनीतिक दलों के माथे पर चिंता की लकीरें बनने लगी हैं। मतदान का कम प्रतिशत निश्चित तौर पर चौंकाने वाले परिणाम दिखा सकता है, खास तौर से उन सीटों पर जहां भाजपा एवं कांग्रेस के बीच रोमांचक मुकाबले की संभावनाएं जताई जा रही थी। संभावनाएं जताई जा रही है कि पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार मतदान का प्रतिशत 4 से 7 प्रतिशत कम रह सकता है, हालांकि अभी अंतिम परिणाम आने बाकी हैं। 83 लाख मतदाता वाले प्रदेश में आयोग ने 75% का लक्ष्य रखा था लेकिन आंकड़ा अब 55 से 60% तक सिमटता हुआ नजर आ रहा है, और यदि आंकड़ा 60% से कम पर आकर रूकता है तो इस बार कुछ चौंकाने वाले परिणाम भी देखने को मिल सकते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 61 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। उत्तराखंड में कम मतदान प्रतिशत क्या यह दर्शाता है कि इस बार राज्य में मोदी लहर की अपेक्षा जनता दूसरे मुद्दों पर केंद्रित रही या फिर मोदी के नाम पर भी जनता घरों से बाहर नहीं निकली। कहीं ऐसा तो नहीं की अति उत्साह में 75% मतदान का लक्ष्य रखा गया हो जबकि हकीकत क्या होगी इसका आकलन भी भली भांति चुनाव आयोग को रहा होगा। मतदान का कम प्रतिशत खास तौर से हरिद्वार एवं पौड़ी सीट पर राजनीतिक कायसबाजियो को अब हवा देने लगा है। पौड़ी सीट पर तो पहले से ही भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही थी, तो वही हरिद्वार में भी निर्दलीय उम्मीदवार उमेश कुमार के कारण चुनाव परिणाम में बड़े उलटफेर की संभावनाएं दिखने लगी है। हालांकि कम मतदान प्रतिशत के बावजूद भारतीय जनता पार्टी अपनी पांचो सीटों पर विजय को लेकर आश्वस्त है तो वहीं राजनीतिक सूखा झेल रही कांग्रेस इस बार प्रदेश की जनता से अपने लिए कुछ सहानुभूति हासिल करने की उम्मीद जरूर रख रही है।

राजनीतिक और लोकतांत्रिक सत्ता का सबसे बड़ा भागीदार प्रदेश

डॉ. सी.पी. राय

देश में राजनीतिक और लोकतांत्रिक सत्ता का उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा भागीदार प्रदेश है, जहां की 80 सीट देश का भाग्य तय करती हैं। कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। आज तक देश के जितने भी प्रधानमंत्री हुए हैं, उनमें से आधे उत्तर प्रदेश से हैं। पिछले दो चुनावों में उत्तर प्रदेश ने भाजपा के लिए आधार का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार दो बार से बनारस से सांसद हैं।

इस बार उत्तर प्रदेश बहुत खामोश है। यह खामोशी सभी दलों को बेचैन किए हुए है। राजनीतिक पंडितों का मानना है की अगर मतदाता का रु झान सत्ता की तरफ होता है तो वो चुनाव शुरू होने के साथ ही दिखाई देने लगता है। ज्यों–ज्यों चुनाव उठान लेता है, सत्ता समर्थक मतदाता ज्यादा मुखर होता जाता है। इस बार वो या तो खामोश है, या अलग–अलग खांचे में सत्ता से जुड़े प्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी जता रहा है। भाजपा ने अपने काफी सांसदों को फिर से टिकट दिया है। इनमें से अधिकांश जीतने के बाद लौट कर अपने क्षेत्र में गए ही नहीं या जिस केंद्रीकृत तरीके से भाजपा की सत्ता चल रही है, और उसमें केंद्र तथा प्रदेश के चंद लोगों को छोड़ कर किसी की भी प्रभावी भूमिका नहीं है। यहां तक कि मंत्री, सांसद और विधायक का अधिकारी या दरोगा फोन तक उठाने की जहमत नहीं करते। जनप्रतिनिधि जनता या कार्यकर्ता की आवश्यक मदद करने में असफल रहे हैं, और इसलिए भी लोगों से कटे रहे।

इसलिए उनका क्षेत्र में जबरदस्त विरोध है। एक दूसरा विरोध, जो बड़े पैमाने पर हाल में दिखा, सहारनपुर में हुआ जब क्षत्रिय समाज ने विशाल सम्मेलन किया जिसमें भाजपा का विरोध करने का फैसला किया गया। कुछ राजनीतिक पंडित मानते हैं कि अज्ञात कारणों से एक हवा चल रही है कि यदि केंद्र में दुबारा मोदी सरकार आ गई तो उसमें न तो राजनाथ सिंह के लिए स्थान होगा और न गडकरी के लिए, और उससे भी ज्यादा चर्चा व्यापक है कि उस स्थिति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी मोदी और अमित शाह तुरंत हटा देंगे क्योंकि योगी इन लोगों के सामने मजबूत विकल्प के रूप में उठ खड़े हुए हैं। इस अफवाह का असर भी मतदाता के एक बड़े वर्ग को प्रभावित करता दिख रहा है।

इस बार के चुनाव को अचानक उठ खड़े हुए इलेक्टोरल बॉन्ड के बवंडर ने भी ग्रहण लगा दिया है। इसके उजागर होने के बाद पीएमकेयर फंड को लेकर शंका के बादल घुमड़ने लगे हैं। देखा गया है कि जब भी कोई सत्ता नौकरशाही और व्यवस्था को सारी ताकत सौंप कर खुद को सुरक्षित समझने लगते है, दरअसल तभी वो ज्यादा असुरक्षित हो जाते है क्योंकि राजनीति नेता या कार्यकर्ता, कैसा भी हो, को जनता का लिहाज करना ही होता है। दरवाजे पर आए व्यक्ति के लिए निकलना ही होता है। नौकरशाही के साथ ऐसी कोई मजबूरी नहीं है। जनता के साथ उनके व्यवहार का खमियाजा सरकारें को भुगतना पड़ता है। यही स्थिति इस बार नासूर जैसी दिख रही है।

उत्तर प्रदेश में कैराना से इकरा हसन, सहारनपुर से इमरान मसूद, आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव, बदायूं से शिवपाल यादव के पुत्र, मैनपुरी से डिंपल यादव, बांदा से शिवशंकर पटेल, बिजनौर से यशवीर सिंह, हाथरस से जसवीर वाल्मिकी, फतेहपुर सीकरी से भाजपा विधायक चौधरी बाबू लाल के पुत्र रमेश सिंह, अलीगढ़ से बृजेंद्र सिंह, लालगंज से दरोगा सरोज, मछली शहर से तूफानी सरोज, फरूखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, बरेली से प्रवीण सिंह ऐरन, मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक, रामपुर से विपक्षी प्रत्याशी, अमरोहा से दानिश अली, कानपुर से आलोक मिश्र, उन्नाव से अनु टंडन, गाजीपुर से अफजाल अंसारी, अंबेडकर नगर से लालजी वर्मा, गोंडा से श्रेया वर्मा, घोसी से राजीव राय, बासगांव से सफल प्रसाद, बस्ती से राम प्रसाद चौधरी, संभल से जियाउर्रहमान वर्क सहित मुलायम सिंह यादव के परिवार वाली अन्य सीट तथा अमेठी और रायबरेली सहित करीब 45 सीटें ऐसी हैं, जो सत्ताधारियों के लिए कठिन डगर साबित हो रही हैं, और ये विपक्षी उम्मीदवार चुनौती देते दिख रहे हैं, तो भाजपा के नाराज लोग भितरघात करते भी दिखलाई पड़ रहे हैं। गौर करने की बात है कि जहां 2014 में भाजपा 71 सीट जीती थी, वहीं 2019 में पुलवामा और बालाकोट की लहर के बावजूद उत्तर प्रदेश में उसकी सीट घट कर 62 हो गई थी, इस बार तो कोई लहर भी नहीं है। इस कारण लगता है कि मतदाता ने खामोशी बरतते हुए मतदान के दिन ही फैसला सुनाने का निश्चय कर लिया है।

राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणियां और समीक्षकों की समीक्षा तथा एग्जिट पोल वालों को अक्सर मतदाता झुठलाता दिखता रहा है। बहरहाल, हमें 4 जून का इंतजार करना होगा और उसका इंतजार भविष्य को भी है, और भारत में रुचि रखने वाली दुनिया में भी सभी को।

उम्मीदों का संकल्प पत्र

लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनात पार्टी (भाजपा) ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया, जिसे वे संकल्प पत्र कहते हैं। यह युवाओं, महिलाओं, किसानों व गरीबों पर केंद्रित है। संकल्प पत्र जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम परिणाम लाने के लिए काम करते हैं। हमारा फोकस निवेश से लेकर नौकरी तक का है। मुफ्त राशन योजना जारी रहेगी। पांच लाख तक मुफ्त इलाज जारी के रहने के साथ ही इसके दायरे में अब ट्रांसजेंडर भी आएंगे। पाइप के जरिए घर–घर गैस पहुंचाई जाएगी। तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने व महिलाओं को लखपति दीद बनाने की भी बात दोहराई। उन्होंने का जिन्हें कोई नहीं पूछता, उन्हें मोदी पूजता है। गरीबों को लूटने वाले जेल जा रहे हैं, भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चालू रहने की बात भी उन्होंने की। विपक्ष ने इसे भाजपा का केंद्र से विदाई का घोषणापत्र बताया। एक राष्ट्र–एक चुनाव समान नागरिक संहिता लाने जैसे मुद्दों को दोहराने के साथ ही भाजपा ने तीन तलाक, अनुच्छेद 370 हटाने व राम मंदिर बना मर अपना वायदा निभाने की गारंटी देने का प्रयास भी किया है। घोषणा पत्र की अमूमन बातें प्रधानमंत्री अपने भाषणों में पहले ही करते रहे हैं। इसलिए इसमें कुछ नया तो नहीं कहा जा सकता। मुफ्त योजनाओं के जारी रखने की बात से जनता को यह आासन जरूर मिल जाता है कि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी इन्हें बंद नहीं कर देगी। कांग्रेस अपने घोषणा को न्याय पत्र का नाम देकर इसी रास्ते पर नजर आ रही है। पार्टी ने महिलाओं को सरकारी नौकरियों में आरक्षण, गरीब लड़कियों को आर्थिक मदद, मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, युवा–नारी–किसान–श्रमिक–आर्थिक व पर्यावरणीय न्याय के बूते सभी को समेटने के प्रयास किया है। यह सच है कि मतदाता को लुभाने वाले ये घोषणा पत्र कुछ तक प्रभावी होते हैं। मगर देश में इस वक्त युवा मतदाताओं की बढती दर ने राजनीतिक दलों को संकट में ला खड़ा किया है। इस नए मतदाता को प्रभावित करना उतना आसान भी नहीं है। जिन्हें शिक्षा, रोजगार व बेहतर भविष्य की आशाएं हैं। काफी हद तक वे मुफ्त योजनाओं व बड़े–बड़े वायदों से प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सकते। मगर उनके भीतर अपने बेहतर भविष्य व सुकून भरे जीवन को लेकर आस्त रहने के सवाल भी हैं। राजनीतिक पार्टियां घोषणाएं कितनी भी कर लें मगर सच तो यह है कि मतदाता को प्रभावित कर पाना आसान भी नहीं है। इनका भरोसा जीतना वाकई दुष्कर कार्य है।

बैटरी रीसाइक्लिंग जरूरी

धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन एवं उपभोग बढ़ाना आवश्यक है। इस सिलसिले में दुनियाभर में इलेक्ट्रिक वाहनों (इवी) को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। भारत में वित्त वर्ष 2023–24 में 8I50 लाख इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की बिक्री का अनुमान है। इसके अलावा, बैटरी चालित कारों, ढुलाई के छोटे वाहनों और यात्री बसों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। भारत समेत कई देशों में सरकारें इन वाहनों के निर्माताओं और ग्राहकों को भारी अनुदान भी मुहैया करा रही हैं। कुछ दिन पहले ही भारत सरकार ने नयी इवी नीति को मंजूरी दी है, जिसके तहत विदेशी कंपनियों को अकेले या स्थानीय कंपनियों के साथ मिलकर वाहन एवं संबंधित कल–पुर्जों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में उत्पादन और बिक्री बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में बैटरियों की मांग बढ़ना स्वाभाविक है। वर्ष 2030 तक हर वर्ष पांच टेरावाट घंटे की क्षमता की बैटरियों के उत्पादन का आकलन है। इसी के साथ बैटरियों की रीसाइक्लिंग करने और उनके विभिन्न तत्वों के पुनरुपयोग के उपायों पर भी विचार किया जा रहा है। अगले दशक में 10 करोड़ से अधिक बैटरियां सेवामुक्त हो जायेंगी। बैटरी रीसाइक्लिंग, विशेष रूप से लिथियम–आयन बैटरियों की, पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी आवश्यक हैं और ऐसा करने से संसाधनों का भी बेहतर इस्तेमाल संभव हो सकेगा। बैटरियों की मांग बढ़ने के साथ निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज, लिथियम और ग्रेफाइट जैसे खनिजों की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे खनिजों की उपलब्धता कम है और इनके साथ तांबा, एल्युमीनियम, जिंक आदि को जोड़ लें, तो अगर रीसाइक्लिंग ठीक ढंग से नहीं हुई, तो भविष्य में इनकी कीमतों में भारी वृद्धि हो सकती है। उस स्थिति में सस्ते और सतत ऊर्जा के वैश्विक प्रयासों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। बीस से अधिक देशों के साथ कई कंपनियों ने अपने उत्पादन लक्ष्य में बड़ी बढ़ोतरी की है। वर्ष 2030 तक दुनिया की सड़कों पर 14I5 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन हो सकते हैं।

श्री अन्न को विलुप्त होने से आदिवासियों ने बचाया है

प्रो टीवी कट्टीमनी

मिलेट्स एक समय भारतीय समुदायों के मुख्य भोजन का हिस्सा था। गेहूं, चावल और चीनी का प्रचलन भारतीय खाद्य संस्कृति में 20वीं सदी में शुरू हुआ। हरित क्रांति ने भारतीय मैदानी क्षेत्रों में गेहूं और चावल को लोकप्रिय बना दिया। परंतु आदिवासियों ने कोदो, कुटकी, कंगुनी, सज्जा, ज्वार, सावा, मडुवा रागी, कांगु आदि को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने इन मिलेट्स की स्वदेशी किस्मों को संरक्षित किया। हम जानते हैं कि कैसे सफेद चावल और गेहूं ने इंसानों की खाद्य संस्कृति को बदल दिया और भारतीय महाद्वीप को मधुमेह, उच्च रक्तचाप और निम्न रक्तचाप आदि बीमारियों की ओर धकेल दिया।

मिलेट्स जल प्रतिरोधी और सूखा प्रतिरोधी भी हैं। उसके पोषण संबंधी और चिकित्सीय लाभ अनंत हैं। ये आहार फाइबर व विभिन्न प्रोटीन से समृद्ध हैं। इनमें कैल्शियम, आयरन, खनिज और विटामिन बी कॉम्प्लेक्स की उच्च सांद्रता होती है। काबीहाइड्रेट की मात्रा कम होने के साथ यह ग्लूटेन मुक्त भी है, जो इसे टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए आदर्श बनाता है। ये कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स पर आधारित होते हैं जो हड्डियों की मजबूती और ऊर्जा के स्तर को बढ़ा सकते हैं, वजन घटाने में सहायक हो सकते हैं, सूजन को कम कर सकते हैं और जोड़ों के दर्द से राहत दिला सकते हैं। इनका कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होता। ये प्राकृतिक रूप से प्रतिरोधी, मधुमेह रोधी होते हैं और उच्च रक्तचाप से राहत दिलाते हैं।यूनेस्को द्वारा 2023 को मिलेट्स वर्ष घोषित करने से यह सुर्खियों में आ गया है। भारत सरकार ने मिलेट्स को मिशन मोड में लिया है और इसकी वृद्धि के लिए कानूनी और वित्तीय मदद की घोषणा की है। मिलेट्स की खेती और कटाई से पहले व बाद की तकनीक तथा मिलेट्स का प्रसंस्करण अब आसान हो गया है। मजबूत वितरण प्रणाली ने देश के हर कोने में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित कर दी है। आज सभी किराना दुकानों में मिलेट्स और इसके उत्पादों का एक कोना होता है।भारत द्वारा आयोजित जी–20 बैठक में मिलेट्स को ह्यश्री अन्नह्ण शीर्षक के साथ कार्यक्रम के मेनू में विशेष स्थान मिला। पीएम मोदी आदिवासियों और मोटे अनाजों की ताकत को पहचानने वाले अग्रदूत हैं। उन्होंने मिलेट्स की खेती और संरक्षण से जुड़ी जनजातियों और लोगों को प्रोत्साहित किया है। मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के सिलपिडी गांव की आदिवासी महिला लहरी बाई को मिलेट्स को विलुप्त होने से बचाने व बीज बैंक बनाने में उनके योगदान के लिए प्रधानमंत्री ने मन की बात में प्रशंसा की और उन्हें मिलेट्स रानी के रूप में नामित किया है।लहरी बाई ने 150 मिलेट्स बीज प्रजातियों की पहचान की है और 2022 में 25 गांवों में 350 किसानों को बीज वितरित किये हैं। बजट में भी देश में मिलेट्स की खेती के लिए प्रावधान किया गया है। कई राज्य सरकारों ने इसकी खेती को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक कदम उठाये हैं। ओडिशा और आंध्र प्रदेश सरकार के पास इस क्षेत्र में उपलब्धियों की कहानियां हैं। ओडिशा सरकार ने मिलेट्स मिशन की बड़ी परियोजना बनायी है और इस पर जिलेवार काम करने के लिए विश्वविद्यालयों, अनुसंधान स्टेशनों और गैर–सरकारी संगठनों को जोड़ दिया है।जनजातीय क्षेत्र भोजन एकत्र करने और भोजन उगाने के अपने स्वदेशी दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। पतरापुटी (जेपोर) की पद्मश्री कमला पुजारी ने ओडिशा के आदिवासियों को मिलेट्स से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है। दौना भोई, युवा उद्यमी हैं जो मिलेट्स उगा रही हैं, वह परजा जनजाति से हैं। मिलेट्स की स्वदेशी किस्में, जैविक खेती विधि, कम वर्षा में भी मिलेट्स की विलुप्त किस्मों का संरक्षण, खेती की सामुदायिक विधि, समाज को एक एकड़ जमीन दान देकर फार्म स्कूल की स्थापना करने वाली रायमती घिउरिया को मिलेट्स का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

रायमती भूमिया जनजाति से हैं और कमला पुजारी से प्रेरित हैं। उनके गांव नुआगाड़ा में कोई भी मिलेट्स बाजार देख सकता है। उन्होंने अपनी सहयोगी महिलाओं के साथ मांडिया–रागी की 40 किस्मों को बचाया और विकसित किया है। लगभग 160 प्रकार के मिलेट्स की भी पहचान की है। कोरापुट जिला रागी की खेती, संग्रहण और उत्पादन का केंद्र बन गया है। मिलेट्स प्रसंस्करण के लिए न्यूनतम उचित मूल्य घोषित करने और मिलेट्स उपज को सरकार से खरीदने में ओडिशा सरकार के समर्थन ने ओडिशा की जनजातियों को मिलेट्स में आत्मनिर्भर बना दिया है।

दुनिया आज तेजी से विज्ञान और प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ पूरी दुनिया ऐसी फसल की ओर देख रही है जिसमें गेहूं और चावल जैसी फसलों की तरह अधिक पानी, जमीन या कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है। वैश्विक भूख के खतरे के समाधान के रूप में, जो ग्लोबल वार्मिंग के कारण तेज हो सकता है, कृषि वैज्ञानिक आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें (जिन्हें जीएम फसल के रूप में भी जाना जाता है) विकसित कर रहे हैं।

द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का पहला गाना व्हिसल पोडु रिलीज

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म गोटः ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच अभी से छाया हुआ है। बीते दिन निर्माताओं ने पोस्टर जारी करते हुए जानकारी दी थी कि गोटः ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का पहला गाना जल्द ही रिलीज होने वाला है। वहीं आखिरकार अब इंतजार खत्म हो चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना रिलीज कर दिया है, जिसका शीर्षक है व्हिसल पोडु।

अभिनेता विजय की गोट के निर्माताओं ने तमिल नव वर्ष की पूर्व संध्या पर पहला गाना व्हिसल पोडु जारी कर दिया है। यह एक पार्टी गीत है, जिसे विजय ने स्वयं गाया है। और अभिनेता ने प्रभावशाली काम किया है। संगीत वीडियो में विजय ने डांस मूव्स भी दिखाए। युवान शंकर राजा ने गाने में संगीत दिया है। गाने का आखिरी मिनट काफी अच्छा है, जिसमें विजय, प्रशांत, प्रभुदेवा और अजमल अमीर के डांस मूव्स देखने को मिले। आरआरआर और बाहुबली के लेखक मदन कार्की ने इस फुट–टैपिंग डांस नंबर के लिए गीत लिखे हैं।

प्रोडक्शन कंपनी एजीएस प्रोडक्शन ने गाने को अपनी आधिकारिक एक्स साइट पर साझा किया और लिखा और लिखा, हियर वी गो, व्हिसल पोडू...गोट फर्स्ट सिंगल। विजय सर का स्वर है। पार्टी डांस सॉन्ग दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। इसका म्यूजिक लोगों को अपने पैर पर थिरकने के लिए मजबूर कर देगा। वीडियो में विजय, प्रशांत, प्रभुदेवा और अजमल अमीर का धमाकेदार डांस फैंस का उत्साह बढ़ा रहा है।

कहा जा रहा है कि गोट के एल्बम में सभी प्रमुख पात्रों के लिए कई लघु थीम गीतों के साथ चार गाने शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, युवान ने विजय की भूमिका के लिए एक सिग्नेचर थीम सॉन्ग बनाया है, जो प्रतिष्ठित मनकथा थीम की तर्ज पर है। यह फिल्म वेंकट प्रभु द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म के जरिए वेंकट प्रभु और विजय पहली बार साथ काम कर रहे हैं। गोट विजय की 68वीं फिल्म है। इसे एजीएस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन बैनर द्वारा नियंत्रित किया गया है। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन–आधारित विज्ञान–फाई फिल्म होगी। इस फिल्म में विजय के अलावा माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है।

कैस्पर रूड बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बार्सिलोना, नॉर्वे के कैस्पर रूड ने सीजन की अपनी 26वीं जीत के साथ जॉर्डन थॉम्पसन को 6–1, 6–4 से हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी जीत के साथ, तीसरी वरीयता प्राप्त रूड 2024 में सबसे अधिक टूर–स्तरीय जीत के मामले में जानिक सिनर से आगे निकल गए। रूड ने शुरुआत में ही 5–0 की बढ़त बना ली और फिर पीछे मुडक़र नहीं देखा। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने दूसरे सेट के सातवें गेम में निर्णायक ब्रेक हासिल करने से पहले शुरुआती सेट को समाप्त कर दिया और अंततः 73 मिनट में जीत हासिल की। नॉर्वेजियन जो इस साल पहले ही तीन फाइनल (लॉस काबोस, अकापुल्को, मोंटे–कार्लो) में पहुंच चुका है, रूड का अगला मुकाबला माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने पहले माकी ट्टुंगेलिटी को 6–3, 6–0 से हराकर अपना अंतिम–आठ स्थान सुरक्षित किया।

आशुतोष की पारी अविश्वसनीयः हार्दिक पांड्या

मुल्लांपुर, आईपीएल 2024 के गुरुवार के रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने अपनी तूफानी पारी की बदौलत न केवल फैंस का बल्कि विरोधी कप्तान का भी दिल जीत लिया। जब मैच निर्णायक मोड़ पर था और पंजाब जीत के बेहद करीब था, तब 18वें ओवर में गेराल्ड कोएत्ज़ी ने आशुतोष शर्मा की तूफानी पारी का अंत किया और मुंबई की जीत पक्की की।

एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने स्वीकार किया कि मैदान में आशुतोष ने पूरी तरह से पासा पलट दिया था। उन्होंने ये भी कहा कि अपना पहला आईपीएल सीजन खेल रहे आशुतोष का प्रदर्शन अविश्वसनीय था। हार्दिक ने कहा, यह एक अच्छा मैच था। मुझे लगता है कि हर किसी की सांसें थम गई थी। हमने मैच से पहले बात की थी कि इस मैच में हमारी परीक्षा होगी और मुझे नहीं लगता कि इससे ज्यादा चुनौतीपूर्ण कुछ और हो सकता है। जब पंजाब का स्कोर 14/4 था, तो यह स्वाभाविक था कि आप सोचते थे कि आप मैच में आगे हैं लेकिन साथ ही, हम जानते थे कि आईपीएल में इस तरह के मैच कभी भी पलट सकते हैं। इस जीत का मतलब यह भी है कि एमआई अब अंक तालिका में सातवें स्थान पर है, हालांकि वे अभी भी काफी निचले स्थान पर हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ी मैदान तो क्रूकी पकड़ अब भी बरकरार, ऐसा रहा कारोबार

बॉक्स ऑफिस पर 3 फिल्में लगी हुई हैं, जिनमें से अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां मुख्यता दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है।एक ओर बड़े मियां छोटे मियां इन दिनों सबसे ज्यादा कमाई कर रही है, तो मैदान की हालत सुस्त दिख रही है। इसके साथ ही क्रू अपने तीसरे हफ्ते में भी दर्शकों को खींचने में सफल हो रही है।चलिए जानते हैं किस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की।

अली अब्बास जफर की एक्शन से भरपूर बड़े मियां छोटे मियां ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी और मंगलवार को भी फिल्म ने अच्छा कारोबार किया है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बड़े मियां छोटे मियां ने रिलीज के छठवें दिन यानी मंगलवार को 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया।अक्षय–टाइगर और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 45.55 करोड़ रुपये हो गया है।

अजय देवगन की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मैदान, बड़े मियां छोटे मियां के साथ ईद के खास मौके पर ही रिलीज हुई थी। दोनों फिल्मों की भिड़ंत में बोनी कपूर निर्मित फिल्म को नुकसान हुआ था।पहले दिन से अजय की फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मैदान ने छठवें दिन मामूली बढ़त के साथ 1.65 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसी के साथ फिल्म का कुल कारोबार 25.15 करोड़ रुपये हो गया है।

करीना कपूर, तब्बू और कृति सैनन की फिल्म क्रूको पहले दिन से दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। फिल्म अपने तीसरे हफ्ते में अजय और अक्षय जैसे सितारों की फिल्मों की मौजूदगी के बाद भी दर्शकों को खींचन में कामयाब हो रही है।

विक्रम के प्रशंसकों को मिला तोहफा, सामने आई फिल्म तंगलान की पहली झलक

अभिनेता चियान विक्रम का आज जन्मदिन है। बॉलीवुड सितारे अक्सर अपने जन्मदिन पर अपने प्रोजेक्ट से जुड़ी अपडेट साझा कर फैंस को तोहफा देते रहे हैं। इस परंपरा को अभिनेता विक्रम ने भी बखूबी निभाया है। उन्होंने आज अपनी आगामी बहुचर्चित फिल्म तंगलान का फर्स्ट लुक साझा किया है। यह फिल्म अभी निर्माण प्रक्रिया में है। उम्मीद है कि जल्द ही इसकी रिलीज डेट का भी एलान होगा। तंगलान एक ऐतिहासिक एडवेंचर फिल्म है, जिसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। यानि फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में व्यापक स्तर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह है। इस बीच आज विक्रम के जन्मदिन के मौके पर इस उत्साह में मेकर्स ने और इजाफा कर दिया है।

जब गेंद हरकत कर रही होती है, तो उसका पूरा फायदा उठाना चाहता हूंः बुमराह

मुल्लांपुर, आईपीएल 2024 के एक रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को 9 रन से हरा दिया, जिसके बाद मुंबई के तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा कि उनका लक्ष्य हमेशा गेंद से अपना प्रभाव छोड़ना रहा है।जसप्रीत बुमराह ने अपने पहले ओवर में रिली रोसौव और सैम करन को आउट किया। साथ ही शशांक सिंह को आउट करके अपने चार ओवर को 3–21 के दमदार स्पैल के साथ खत्म किया। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बुमराह, अब आईपीएल 2024 में सात मैचों में 13 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने यह भी स्वीकार किया कि ऐसे प्रारूप में गेंदबाज बनना थोड़ा मुश्किल है, जहां पलड़ा बल्लेबाजों के पक्ष में अधिक झुका हुआ है लेकिन उन्हें लगता है कि अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खुद का समर्थन करना आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की कुंजी है। गुरुवार की पंजाब के खिलाफ 9 रन की जीत का मतलब यह भी है कि पांच बार की चैंपियन एमआई अब अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। हालांकि वे अभी भी अंक तालिका में नीचे हैं।

एक नजर

कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने किया मतदान

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड खिर्सू के राजकीय प्राथमिक विद्यालय नौगांव में सुबह 8:30 बजे कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अपने मत का प्रयोग किया। इस मौके पर उनकी पत्नी डॉ. दीपा रावत मौजूद रहीं। वहीं अपराह्न 3 बजे करीब श्रीनगर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बूथ पर गढ़वाल संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी और कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील की।

युवा बोले, मजबूत लोकतंत्र के लिए दिया पहला वोट

रुद्रप्रयाग। 18 साल पार करने पर पहली बार मतदान कर रहे युवा वोटरों ने मतदान के लिए काफी उत्साह दिखाया। सुबह से ही युवा मतदाता अपने पोलिंग बूथ पर मतदान को पहुंचे। अधिकांश युवाओं ने कहा कि उन्होंने मजबूत लोकतंत्र के लिए अपना पहला वोट दिया है। जनपद में कुल 5295 युवा मतदाता हैं। रुद्रप्रयाग के चोपड़ा पोलिंग बूथ पर वोट देने आई युवा मतदाता किरन ने बताया कि पहली बार वोट देने में काफी खुशी हुई है। उन्हें गर्व है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए वे वोट देने योग्य हो गई हैं। रुद्रप्रयाग के तहसील पोलिंग बूथ पर पहली बार वोट देने आई आयुषी, अंजलि, शिवानी, रिया ने कहा कि उन्हें काफी खुशी हो रही है। लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व में उन्हें भी यह अधिकार मिला है। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के साथ ही देश के विकास के लिए पहला वोट दिया है। बोरा दुर्गाधार पोलिंग बूथ पर पहली बार वोट देने आई वर्षा ने कहा कि भारत के लोकतंत्र में मतदान का बड़ा महत्व है। इसलिए आज खुशी हो रही है कि उन्हें भी इस महापर्व में शामिल होने का अवसर मिला है। जनपद में ऐसे ही अनेक पोलिंग बूथों पर युवाओं में पहली बार मतदान को लेकर उत्साह देखा गया। युवाओं ने बढ़चढ़कर मतदान किया।

वेबकास्टिंग से हुआ लाइव प्रसारण

रुद्रप्रयाग। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर जनपद के 181 मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग की गई। वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान का पूरा लाइव प्रसारण जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम एवं राज्य निर्वाचन कंट्रोल में देखा गया। इसके लिए प्रत्येक केन्द्र पर एक–एक कर्मचारी की तैनाती की गई थी। जनपद में कुल 362 मतदेय स्थलों पर लोकसभा चुनाव के लिए सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ। निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के लिए कुल 181 मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग की गई थी। जिसमें केदारनाथ विस में 86 एवं रुद्रप्रयाग विस में 95 मतदान केन्द्र शामिल हैं। सभी केन्द्रों पर मतदान का पूरा लाइव प्रसारण देखा गया। जिसकी पूरी मानीटरिंग जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम से किया गया। नोडल अधिकारी वेबकास्टिंग/खंड विकास अधिकारी प्रवीण भट्ट ने बताया कि जनपद की दोनों विधान सभाओं में की जाने वाली वेबकास्टिंग के लिए एक–एक कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। जिसकी मॉनीटरिंग आपदा प्रबंधन कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम से की गई।

पिता की अंत्येष्टि करने के बाद दिया वोट

रुद्रप्रयाग। नगर ऊखीमठ में एक व्यक्ति ने मतदान को जरूरी मानते हुए विषम परिस्थिति में भी मतदान कर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। नगर के ओंकारेश्वर वार्ड निवासी नवदीप नेगी के पिता की अचानक मौत हुई किंतु बेटे ने शुक्रवार सुबह अंत्येष्टि करने के बाद अपना वोट दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करने व मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान करने आए हैं। गुरुवार देर रात ऊखीमठ व्यापार संघ के पहले अध्यक्ष व राज्य आंदोलनकारी रहे 85 वर्षीय भूपाल सिंह नेगी का अस्वस्थता के चलते निधन हुआ।

कालिका मंदिर में वार्षिक ध्वजारोहण पर हुआ स्वर्णिम महोत्सव

देहरादून भवन श्री कालिका मंदिर के 71 वें वार्षिक ध्वजारोहण महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार को मां कालिका प्रज्ञा यज्ञशाला के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्णिम महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः काल सत्र में श्री रुद्री पाठ ब्राह्मणों द्वारा किया गया। मां कालिका प्रज्ञा यज्ञशाला में विशेष रुद्री यज्ञ हुआ। संतों व भक्तों को प्रसाद स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। मुख्य पुजारी चंद्रप्रकाश ममगाईं ने बताया कि 50 वर्ष पूर्व रामनवमी पर समिति के परमाध्यक्ष अनन्त विभूषित बाल योगी सर्वदास महाराज की प्रेरणा से 100 वर्ष के लिए अखंड यज्ञ की स्थापना की गई।

दोपहर बाद धीमी पड़ी रफ्तार, शाम तक गढ़वाल में 48.16 प्रतिशत हुआ मतदान

कोटद्वार में मतदान ने लिए लाइन में खड़े लोग

● सुबह के समय गढ़वाल क्षेत्र के मतदाताओं में दिखा खासा उत्साह

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लोकसभा चुनाव के लिए सुबह सात बजे से मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई थी। सुबह जहां मतदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। वहीं, दोपहर बाद यह रफ्तार धीमी पड़ गई। शाम पांच बजे तक गढ़वाल सीट में कुल 48.16 प्रतिशत मतदान हुआ।

करीब एक माह तक प्रत्याशियों के मुद्दों व भाषणों को सुनने के बाद शुक्रवार को वोटरों को मतदान करने का मौका मिला। अपने प्रत्याशी को चुनने के लिए मतदाताओं में काफी उत्साह बना हुआ था। सुबह के समय कई मतदान केंद्रों में लोगों को भीड़ जुटी हुई थी। लेकिन, दिन बढ़ने के साथ ही यह भीड़ कम हो गई। नतीजा दोपहर के बाद अधिकांश मतदान केंद्रों में एक-दो ही मतदाता नजर आ रहे थे। इसका एक प्रमुख कारण शादी का सीजन व चिलचिलाती धूप भी थी। हालांकि मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए इस बार चुनाव आयोग ने काफी मेहनत भी की। बकायदा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया। वहीं, मुख्य सड़कों के बाहर बूथ से संबंधित सूचना भी अंकित की गई थी। इससे लोगों को अपने केंद्र की पहचान के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ा।

गढ़वाल सीट पर शाम पांच बजे तक मत प्रतिशत

कोटद्वार - 58.77 प्रतिशत
लैंसडौन - 42.93 प्रतिशत
चौबट्टाखाल - 40.90 प्रतिशत
श्रीनगर - 53.68 प्रतिशत
पौड़ी - 50.50 प्रतिशत
यमकेश्वर - 42.30 प्रतिशत

विधानसभा अध्यक्ष ने डाला वोट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत कोटद्वार में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने शिवराजपुर स्थित विद्यालय में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि चुनाव हमारे लोकतंत्र का महापर्व है और मतदान प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी नागरिकों को मतदान अवश्य करना चाहिए।

दूल्हा उमेश रावत ने शादी से पहले किया मतदान

दूल्हा उमेश रावत अपने परिजनों के साथ मतदान करने पहुंचे।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचाली के उमेश रावत सबसे पहले बारातियों के साथ मतदान केंद्र में पहुंचे। उन्होंने पूरे ग्राम वासियों और बरात के साथ लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में प्रतिभाग किया। उमेश रावत की शादी कल्जीखाल ब्लॉक के अंतर्गत ही थनुल गांव की कविता के साथ हुआ है। इस अवसर पर पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी के निजी सचिव सुभाष रावत, दूल्हे के पिताजी अर्जुन सिंह रावत, सरत सिंह रावत, अशोक रावत, नरेंद्र सिंह रावत, संतोषी रावत, सतेश्वरी देवी, अंजू देवी, मीना देवी सहित पूरे गांव की मातृ शक्ति एवं युवा उपस्थित रहे।

दुल्हा-दुल्हनों ने किया मतदान

मतदान करने के बाद दुल्हन खुशी का इजहार करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी जनपद में कड़ी सुरक्षा के बीच वोटिंग हुई। विधानसभा अध्यक्ष रितु खण्डूडी भूषण सहित अन्य नेताओं ने मतदान किया। वहीं दुल्हा-दुल्हनों ने अपने मत का प्रयोग करते हुए अपने नव दांपत्य जीवन की शुरूआत की। जगह-जगह से चुनाव की खूबसूरत तस्वीरें भी सामने आ रही है।

मतदान के दिन दुल्हा व दुल्हनों ने अपने मत का प्रयोग करते हुए अपने नव दांपत्य जीवन की शुरुआत की। मतदान को लेकर दुल्हा व दुल्हनों के साथ ही उनके परिवार के लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मतदान के दिन विवाह मुहूर्त होने के कारण शादी समारोह वाले परिवारों, दूल्हा-दुल्हन के मतदान करने के उद्देश्य से जिले में एक विशेष अभियान भी चलाया गया। शुक्रवार को विवाह समारोह वाले परिवारों व दूल्हा-दुल्हनों द्वारा बढ़ चढ़कर लोकतंत्र के पर्व में अपने मत का प्रयोग कर अपने नव दांपत्य जीवन की शुरुआत की।

विकासखंड थलीसैंण के ग्राम जखोला में शादी में दुल्हन वोट देकर अपने ससुराल गई। वहीं बुर्जगों को भी डोली में ले जाकर मतदान कराया गया। ग्राम कैन्यूर के पोलिंग बूथ में दोपहर साढ़े तीन बजे तक 1345 वोटरों 500 लोगों ने मतदान किया था। मतदान करन के लिए लाईन में लगे रहे।

उर्वशी रौतेला ने कोटद्वार में डाला वोट, कहा उत्तराखंडी होने पर गर्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वरः बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने कोटद्वार स्थित सिताबपुर में बने पोलिंग बूथ पर मतदान किया। वोट डालने के बाद उर्वशी वापस मुंबई के लिए लौट गई। उर्वशी ने कहा कि उन्हें उत्तराखंडी होने पर गर्व है।

कोटद्वार के सिताबपुर में बने पोलिंग बूथ में शुक्रवार को सुबह सात बजे अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अपने परिवार के साथ मतदान करने पहुंची। इस दौरान उर्वशी के पिता मनवर रौतेला, मां मीरा रौतेला व उर्वशी ने भी वोट डाला। वोट डालने के बाद उर्वशी ने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति व परंपराएं काफी समृद्ध है। चुनाव में हम सभी को ऐसे प्रत्याशी को चुनना चाहिए, जो पलायन की समस्या रोकने के साथ प्रदेश का चहुंमुखी विकास करे। एक्ट्रेस उर्वशी ने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटन में अपार संभावनाएं है। प्रदेश का इस तरह विकास होना चाहिए कि उत्तराखंडियों को रोजगार की दृष्टि से बाहर जाना ही नहीं पड़े। गौरतलब हो कि उर्वशी रौतेला दो दिन पूर्व अपने गृह नगर कोटद्वार में अपने पड़ोस के एक विवाह समारोह में शिरकत करने पहुंची थी। शुक्रवार को सुबह मतदान करने के बाद उर्वशी मुंबई के लिए लौट गई। उर्वशी की मां मीरा रौतेला ने बताया कि उर्वशी लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करके काफी उत्साहित नजर आई।

सिताबपुर स्थित पोलिंग बूथ पर अपने परिवार के साथ मतदान करने पहुंची उर्वशी रौतेला

बैंगलोर से मतदान करने पहुंचे राहुल, निभाई जिम्मेदारी

दिल्ली, गुरुग्राम सहित अन्य स्थानों में नौकरी कर रहे युवा पहुंचे मतदान करने

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोकतंत्र के महापर्व में मतदान को लेकर सबसे अधिक उत्साह युवाओं में बना हुआ था। कई ऐसे पोलिंग बूथ थे जहां युवा दिल्ली, गुरुग्राम, बंगलूरु में नौकरी से छुट्टी लेकर मतदान करने घर पहुंचे हुए थे। युवाओं का कहना था कि भले ही वह अन्य राज्यों में नौकरी कर रहे हो। लेकिन, लोकतंत्र में मतदान के महत्व को भी जानते हैं।

लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए चुनाव आयोग विशेष अभियान चला रहा था। मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा था। प्रयास रंग लाया तो शुक्रवार को मतदान केंद्रों में ऐसे युवा भी नजर आए जो दिल्ली, गुरुग्राम व बैंगलोर में नौकरी से छुट्टी लेकर घर मतदान को पहुंचे थे। देवी रोड निवासी राहुल कुमार लखेड़ा ने बताया कि मैं बंगलूरू स्थित एक आईटी कंपनी में कार्यरत हूं। मतदान के लिए कंपनी से छुट्टी स्वीकृत होने के बाद मैंने बंगलूरू से दिल्ली के लिए फ्लाईट ली और उसके बाद गुरुवार को कोटद्वार पहुंचा। मतदान समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का संवाहक है। इसलिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करना चाहिए। डबराल कॉलोनी निवासी दीपक कुमार ने बताया कि मैं गुरुग्राम स्थित कंपनी में कार्यरत हूं। गुरुवार को ही मतदान करने के लिए अपने घर पहुंचा। संविधान में स्पष्ट है कि मतदान हमारा अधिकार है। हमारे मत से सही सरकार बनती है और देश आगे बढ़ता है। मैने स्वयं कई अन्य लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। देवी रोड निवासी प्रीति कंडवाल ने कहा कि मैं दिल्ली में चिकित्सक के पद पर हूं। एक चिकित्सक होने के साथ-साथ देश के प्रति स्वयं की जिम्मेदारी को भी गंभीरता से समझती हूं। मैं सुबह ही देवी रोड स्थित अपने मतदान केंद्र में मतदान करने पहुंच गई थी। लोकतंत्र की खूबसूरती मतदान ही है। मेरा मानना है जो मतदान नहीं करता, उसे देश के मुद्दों व राजनीति पर कटाक्ष करने का अधिकार नहीं है।

जयहरीखाल निवासी सारांश ने बताया कि मैं गुड़गांव में नौकरी करता हूं। लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र का मतदाता हूं। देश के बेहतर भविष्य के दृष्टिगत जरूरी है कि प्रत्येक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। मैंने भी बेहतर भविष्य के लिए मतदान किया।

मतदान के बाद सेल्फी लेते युवा

वीवीआईपी वोटरों ने लाइन में लगकर किया अपने मताधिकार का प्रयोग

देहरादून। दून में वीवीआईपी मतदाताओं ने अपने परिजनों समेत बेहद उत्साह से अपने मतदान अधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल से लेकर मुख्य सचिव, तमाम प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने अपने बूथों पर जाकर वोट दिया व सेल्फी प्वाइंट पर जाकर फोटो भी खिंचवाई। खास बात ये रही कि वीवीआईपी मतदाताओं ने भी सामान्य मतदाताओं की तरह ही लाइन में खड़े होकर वोट डाला। राज्यपाल लेज.गुरमीत सिंह ने शहीद मेख बहादुर गुरुंग गढ़ी कैंट में पत्नी गुरमीत कौर समेत अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व हरिद्वार सांसद डॉ.रमेश पोखरियाल निशंक ने अपने बेटी आरुषि निशंक, विदूषि निशंक के साथ विजय कॉलोनी हाथीबड़कला के बूथ संख्या 83 में मतदान किया। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी व पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ी ने स्कॉलर्स होम स्कूल जूनियर साइड राजपुर रोड के मॉडल बूथ में मतदान किया व बूथ के बाहर फोटो भी खिंचवाकर सोशल मीडिया में अपलोड की। डीजीपी उत्तराखंड अभिनव कुमार ने न्यू लाइफ सेंटर स्कूल किशनपुर में अपने मतदान अधिकार का उपयोग किया। डीएम सोनिका ने जीआरडी पॉलीटेक्निक इंस्टीट्यूट राजपुर रोड में वोट डाला। निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा ने अपने पुत्र शास्वत उनियाल के साथ मसूरी विधानसभा के बूथ संख्या 66 डोभालवाला में अपने मतदान अधिकार का इस्तेमाल किया। सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह ने मॉडल बूथ स्कॉलर्स होम में अपनी पत्नी संग वोट डाला। राजपुर रोड विधायक खजानदास ने राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाइन रेसकोर्स में वोट डाला। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बूथ संख्या 69 सामुदायिक भवन पथरिया पीर नेशविला रोड में पत्नी संग लाइन में खड़े होकर वोट डाला। भाजपा के हरिद्वार सांसद प्रत्याशी त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने डिफेंस कॉलोनी में वोट डाला। कैंट विधानसभा वसंत विहार में कैंट विधायक सविता कपूर ने परिजनों संग वोट डाला।

गंगा में नहाने गया बिहार का युवक तेज बहाव में आकर बहा

ऋषिकेश। मुनिकीरेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत कौड़ियाला के पास गंगा में नहाने गया सीतामढ़ी बिहार निवासी एक युवक तेज बहाव की चपेट में आकर गंगा में बह गया। पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम उसकी तलाश में जुटी है। एसडीआरएफ के निरीक्षक कविंद्र सजवान ने बताया कि चार युवक की दोपहर करीब 2:00 बजे ऋषिकेश बद्रीनाथ मार्ग पर व्यासी के समीप गंगा नहाने गए थे। गंगा में नहाते समय एक युवक आदित्य कुमार (23 वर्ष) पुत्र अजय कुमार निवासी सनवर्षा, थाना सनवर्षा जिला सीतामढ़ी, बिहार गंगा में कुछ आगे बढ़ा तो तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। कुछ दूर तक बहने के बाद वह लहरों में ओझल हो गया। उसके तीन अन्य साथियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। काफी खोजबीन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं चल पाया। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनिकीरेती रितेश शाह ने बताया कि चारों युवक चोपता घूमने गए थे, वहां से लौटते समय हुए यहां नहाने के लिए रुके थे।

नशे में धुत मिला मतदान अधिकारी, मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार के अपर कालाबड़ स्थित बूथ संख्या 63 राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर पांच में मतदान अधिकारी के नशे में धुत्त होकर मतदान केंद्र से गायब होने के मामले में पुलिस ने मुकदाम दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक मतदान अधिकारी मतदान केंद्र छोड़कर चला गया था। जिसके बाद सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पीठासीन अधिकारी ने जब गायब हुए मतदान अधिकारी को फोन किया, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। पीठासीन अधिकारी ने उच्चाधिकारियों को मतदान अधिकारी की सूचना देकर उनकी तलाश शुरू कराई। तलाशने पर वह अपने घर में नशे में धुत्त पाए गए। कोतवाल मणि भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि सेक्टर मजिस्ट्रेट डॉ. जुनीश कुमार की शिकायत पर मतदान अधिकारी सुरेश कुमार नौटियाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मतदान सूची में नहीं मिला नाम, बिना मतदान किए मासूस होकर लौटे लोग

बुजुर्ग महिला को व्हीलचेयर से मतदान केंद्र तक लेकर जाते स्वयं सेवी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सुबह मतदान के लिए बड़े उत्साह के साथ घर से निकले थे। लेकिन, जैसे ही मतदान केंद्र में मतदान लिस्ट देखी तो उसमें नाम कही दर्ज नहीं था। ऐसे में कई लोग अपने मत का प्रयोग नहीं कर पाए। मतदान से वंचित अधिकांश लोगों ने इसे प्रशासन की लापरवाही बताया। कहा कि आधार कार्ड व अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज देने के बाद भी प्रशासन ने लिस्ट में नाम दर्ज नहीं करवाया।

मतदान के लिए वोटर लिस्ट में नाम दर्ज होना अति आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन ने कुछ माह पूर्व अभियान भी चलाया। लेकिन, मतदान के दिन अधिकांश लोगों का वोटर लिस्ट में नाम तक नहीं था। नतीजा वह अपने मत का प्रयोग नहीं कर पाए। देवी रोड निवासी पूजा ने बताया कि कुछ माह पूर्व प्रशासन के लोग वोटर कार्ड बनवाने के लिए घर पर आए थे। उन्होंने वोटर कार्ड बनाने के लिए तमाम दस्तावेज टीम को उपलब्ध करवाए। टीम ने आश्वासन दिया था कि उनका नाम मतदाता सूची में आ जाएगा। लेकिन, शुक्रवार को जब वे मतदान केंद्र में पहुंची तो उनका नाम मतदाता सूची में नहीं था। गिवईस्रोत निवासी सुनील बडोला ने बताया कि उनके परिवार में सात लोग है। पूर्व में उनका परिवार हर चुनाव में मतदान करता था। लेकिन, इस बार पूरे परिवार का वोटर लिस्ट से नाम ही गायब हो गया है।

स्वयं सेवियों ने की मदद

बुजुर्ग व दिव्यांयों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े बच्चों ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बच्चे बुजुर्ग व दिव्यांगों को सहारा देते हुए मतदान केंद्र तक लेकर गए। साथ ही कई बुजुर्गों व दिव्यांगों को व्हीलचेयर के माध्यम से केंद्र तक लाया गया। स्वयं सेवी पूरी गंभीरता के साथ सेवा में जुटे हुए थे। मतदान के लिए आने वाले लोगों ने स्वयं सेवियों के इस कार्य की प्रशंसा भी की।

अधिकारियों ने किया मतदान, बूथों का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही मुख्य विकास अधिकारी ने भी मतदान कर लोकतंत्र में अपनी भूमिका निभाते हुए सभी से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन के विभिन्न कंट्रोल रूमों के साथ ही शहर से सटे हुए कई बूथों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए मतदाताओं से जानकारी भी ली।

शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के तहत मतदान प्रक्रिया में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान व सीडीओ अपूर्वा पांडे ने पूल्ड हाउस स्थित गढ़वाल पब्लिक स्कूल में मतदान किया। वहीं, एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने ड्यूटी में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों का हौसला बढ़ाते हुये मतदान केन्द्र के अंदर महिला व पुरुषों की अलग-अलग लाइन लगाने व बूथ के अंदर किसी भी व्यक्ति को मोबाईल फोन, कैमरा व ऐसा कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जिससे मतदान में व्यवधान उत्पन्न हो नहीं ले जाने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने मतदान केन्द्रों के आस-पास अनावश्यक भीड इकट्ठा न होने, शान्ति व्यवस्था बनाये रखने, सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष व भयमुक्त मतदान कराने हेतु पुलिस एंव प्रशासन के अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही सभी मतदाताओं से निर्भीक, निष्पक्ष बिना किसी प्रलोभन के मतदान करने की अपील की। इसके अलावा श्रीमती जया बलोनी अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार व विभव सैनी क्षेत्राधिकारी कोटद्वार द्वारा कोटद्वार विधानसभा, अनुज कुमार क्षेत्राधिकारी सदर पौड़ी द्वारा पौड़ी विधानसभा क्षेत्र एवं आरके चमोली द्वारा श्रीनगर क्षेत्रान्तर्गत संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों का निरीक्षण किया गया।

एसएसपी लोकेश्वर सिंह मतदान कर्मियों को निर्देश देते हुए।

पृथ्वीनाथ मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के कार्यक्रम प्रारंभ

देहरादून। श्री पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ हुई जिसमें श्री राम लला मंदिर अयोध्या एवं मेहंदीपुर बालाजी से आई पवित्र अखंड ज्योत के सम्मुख अखंड रामायण का पाठ सामूहिक के रूप से किया गया। हरिद्वार से आचायी ने श्री अखंड रामायण का पाठ किया।

पवित्र ज्योत के सम्मुख मुख्य यजमान सुनील गोयल, सुनील अग्रवाल, हरिओम सेठी, सोहनलाल गर्ग और सेवादारों ने पूजा अर्चना की। ऋषिकेश, हरिद्वार से आए आचार्य गोविंद गौड, संजय ढोंडियाल, अशोक सुंद्रियाल, मोहित पंत, धीरेंद्र शर्मा ने मधुर संगीत के साथ श्री अखंड रामायण पाठ किया। जिसे सुनकर सभी मंत्र मुग्ध हो गए। सेवा दल के मीडिया प्रभारी संजय गर्ग ने बताया कि शनिवार प्रातः सूर्यखंड रामायण का पाठ विश्राम ले लेगा। सभी को मिष्ठान प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर सरस्वती दिगंबर भागवत पुरी, दिगंबर दिनेश पुरी, उमेश जिंदल, दीपक मित्तल, सोहन लाल गर्ग, सुनील गोयल, नवीन गुप्ता, विकी गोयल, रोहित अग्रवाल, एकलव्य अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

सपना भाटी ने किया मतदान

हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार निवासी सपना भाटी ने एसडी इंटर कॉलेज खड़खड़ी में मतदान किया। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में एक दुर्घटना में दोनों पांव में फ्रैक्चर होने के बाद भी सपना ने उत्साहपूर्वक मतदान किया। सपना भाटी ने कहा कि तमाम परेशानी के बाद भी उन्हें मतदान करने का बेसब्री से इंतजार था। कहा कि नरेंद्र मोदी ने आधी आबादी की चिंता अपने कार्यकाल में की है। तीसरे कार्यकाल में भी मोदी महिलाओं के विकास के लिए विशेष कदम उठाएंगे।

ईवीएम मशीन खराब होने से पौन घंटे बंद रहा मतदान

हरिद्वार। कनखल के पुरुषोत्तम विहार कालोनी से सटे हुए राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में बने मतदान केंद्र के एक बूथ पर ईवीएम मशीन खराब होने से करीब पौन घंटे मतदान प्रक्रिया बाधित रही। मतदान कर्मियों की सूचना के राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय के बूथ संख्या 95 की खराब ईवीएम मशीन को बदला गया। इसके बाद फिर से मतदान प्रक्रिया को शुरू किया गया।

मसूरी में बारिश से मौसम हुआ सुहाना

देहरादून। मसूरी में शुक्रवार शाम चार बजे मौसम में अचानक हुए बदलाव के साथ बारिश होने लगी। करीब 15 मिनट की बारिश के बाद मौसम फिर से खुल गया। बारिश की वजह से मसूरी के मौसम में ठंडक महसूस की गई। मसूरी में दिनभर धूप खिली रही। शाम चार बजे बाद अचानक मौसम बदला और बारिश होने लगी। अचानक हुई बारिश के साथ ठंडी हवाएं चलने लगी। इससे मतदान केंद्रों पर वोट करने पहुंचे मतदाता भी बारिश से बचने के लिए छाता लेकर पहुंचे थे। वहीं, माल रोड पर भी बाहर से आए पर्यटक खुशनुमा मौसम का आनंद लेने नजर आए। पंजाब से मसूरी घूमने आई हरप्रीत कौर ने बताया कि यहां पर सुबह से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक चटक धूप खेलने के कारण काफी गर्मी महसूस हो रही थी लेकिन शाम को अचानक मौसम के करवट बदलते ही यहां पर बारिश शुरू हो गई जिसके बाद यहां पर मौसम काफी सुहाना हो गया जिसका वह जमकर आनंद उठा रहे हैं।

वोटर सेल्फी प्वाइंट को लेकर युवाओं में दिखा क्रेज

ऋषिकेश। लोकसभा चुनाव 2024 के प्रथम चरण में शुक्रवार को उत्तराखंड में मतदान हुए। मतदाता प्रोत्साहन के लिए विभिन्न मतदान केंद्र परिसर में वोटर सेल्फी जोन बनाए गए थे। वोट देने के बाद मतदाताओं ने इन सेल्फी जोन में पहुंचकर अपनी फोटो खिंचवाई और सोशल मीडिया पर अपलोड भी की। शुक्रवार को उत्तराखंड की विभिन्न विधानसभाओं के साथ ही ऋषिकेश विधानसभा में भी मतदान हुए। कई मतदान केंद्रों पर निर्वाचन आयोग की तरफ से मतदाता प्रोत्साहन के लिए वोटर सेल्फी जोन बनाए गए। ऐसे में वोटरों का सेल्फी को लेकर क्रेज देखने को मिला। अधिकांश मतदाताओं ने मतदान के बाद इन सेल्फी जोन में पहुंचकर अपनी अपनी फोटो खिंचवाई और सोशल मीडिया पर अपलोड़ कर अपने मतदान करने की जानकारी दी। सेल्फी प्वाइंट पर मतदाताओं में सेल्फी लेने का उत्साह दिखा।

सोशल मीडिया पर पोलिंग की वीडियो डालना पड़ा भारी

काशीपुर। कुंडा थाना क्षेत्र के गांव लालपुर में एक युवक ने मतदान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जानकारी होने पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर वीडियो को डिलीट कराया। इस मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। काशीपुर के कुंडा थाना क्षेत्र के गांव लालपुर निवासी फरमान पुत्र अब्दुल सलाम ने लोकसभा चुनाव में वोट डालते समय अपना एक वीडियो फेसबुक पर अपलोड कर दिया गया। इसके बाद हरकत में आयी कुंडा थाना पुलिस ने फरमान को हिरासत में ले लिया।

थाना प्रभारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि उसके फेसबुक पर एकाउंट पर अपलोड की गई पोस्ट डिलीट करवा दी गई है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरचोला में 26 परिवारों ने किया मतदान का बहिष्कार

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा से 35 किलोमीटर दूर गिरचोला ग्राम के जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पेयजल से वंचित परिवारों ने मतदान नहीं किया। उन्होंने कहा कि 15 दिन पूर्व ही उनके द्वारा समस्या का समाधान न होने पर बहिष्कार की चेतावनी दी थी, किन्तु शासन, प्रशासन की ओर से न तो समाधान हुआ और ना कोई आश्वासन मिला। ऐसा प्रतीत होता है सरकार केवल सोशल मीडिया पर सभी से मतदान की अपील कर रही है।

पौड़ी गढ़वाल में यूथ वोटरों में दिखा उत्साह

युवतियां मतदान करने के बाद खुशी का इजहार करते हुए।

92 वर्षीय शंभू प्रसाद मंमगाई को पोलिंग बूथ पर ले जाते हुए युवा।

थलीसैंण ब्लॉक के कैन्यूर पोलिंग बूथ पर लाईन में अपनी बारी का इंतजार करते हुए मतदाता।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी गढ़वाल में लोकसभा चुनाव के चलते शुक्रवार को पहले चरण के तहत गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र में मतदान हुआ। लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर लोकसभा सीट पर यूथ में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मतदान केंद्रों पर वोट देने के लिए युवा, बुजुर्ग, दिव्यांग हर कोई उत्साहित नजर आ रहा है। इस दौरान मतदान केंद्रो से कुछ प्रेरक तस्वीरें भी सामने आईं। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर जमकर सराहना मिल रही है।लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर युवा वर्ग में भी काफी उत्साह है। इस दौरान युवाओं ने बढ़ चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह से ही नए वोटर के साथ युवा वोटर लंबी कतारों में खड़े होकर मतदाता अपनी बारी का इंतजार करते हुए नजर आए। लोकतंत्र के पर्व पर हर कोई अपनी भूमिका निभाता हुए नजर आया। शहर के आदर्श प्राइमरी स्कूल में महिला बूथ पर पहली बार अपने मत का प्रयोग करने आई युवा वोटर गीतांशी नेगी ने बूथ पर व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए सभी से वोट देने की अपील की।

स्ट्रांग रूम के पास पहुंची जंगल की आग, मशक्कत कर बुझाई

अल्मोड़ा। शुक्रवार को फालसीमा आईटीआई के पास जंगल में आग लग गई।

यहाँ लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु स्ट्रांग रूम भी बनाया गया है। शुक्रवार पूर्वाह्न 11:00 बजे अल्मोड़ा फायर स्टेशन को सूचना प्राप्त हुई कि आईटीआई फलसीमा के पास लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु बने स्ट्रांग रूम के पास जंगल में चारों ओर आग लगी है। फायर सर्विस टीम लीडिंग फायरमैन किशन सिंह के नेतृत्व में अग्निशमन वाहन के घटनास्थल पहुंची। घटनास्थल पहुंचकर मोटर फायर इंजन से पंपिंग कर होजरील की सहायता से रुक–रुक कर आग को बुझाने आरंभ किया गया। आग की विकरालता को देखते हुए फायर स्टेशन से दूसरी गाड़ी मंगाई गई। दोनों गाड़ियों द्वारा पंपिंग कर होजरील की सहायता से स्ट्रांग रूम के आस पास की आग को बुझाया गया। जंगल की आग तेज हवाओं के साथ स्ट्रांग रूम में स्थापित जनरेटर के पास तक पहुंच चुकी थी। फायर सर्विस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत से आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया। मौके पर एडीएम एवं प्रशासन की अन्य लोग मौजूद थे। आग को बुझाने में जिला आपदा प्रबंधन एवं वन विभाग की सहायता भी ली गई।

मटियोली के ग्रामीणों ने किया मतदान का बहिष्कार

बागेश्वर। रोड नहीं तो वोट नहीं समेत विभिन्न मांगों को लेकर इस बार जिले में लोकसभा चुनाव से पहले करीब पांच गांव के लोगों ने चुनाव बहिष्कार का ऐलान किया। बाद में लोनिवि, ऊर्जा निगम तथा स्वीप की टीम ने चार गांव के लोगों को मतदान के लिए मना लिया, लेकिन दफौट क्षेत्र के मटियोली गांव के लोग सड़क निर्माण व डेढ़ किमी डामरीकरण की मांग पर अडिग रहे। उन्हें प्रशासन व स्वीप की टीम भी नहीं मना पाई। मतदान के दिन 508 मतदाताओं में से उनके बूथ पर किसी ने भी वोट नहीं डाला। अंतिम दिन भी लोनिवि व स्वीप की टीम उन्हें मनाने गांव गई, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। प्रावि मटियोली केंद्र में मटियोली व ताछनी गांव के लोगों के वोट पड़ते हैं। गुरुवार की देर शाम यहां मतदान कर्मी पहुंच गए। उन्होंने शुक्रवार की सुबह पांच बजे मॉक पोल किया, लेकिन उसके बाद एक भी ग्रामीण मतदान करने के लिए नहीं आए। इस बात की भनक जब प्रशासन को लगी तो उन्होंने लोनिवि व स्वीप की टीम को गांव में भेजा। दोनों टीमें करीब दो घंटे तक गांव में रही। ग्रामीणों ने मतदान करने तथा लोकतंत्र मजबूत करने की बात करते रहे, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। उन्होंने कहा जब उनकी मांग नहीं मानी जाएगी वह किसी भी चुनाव में भाग नहीं लेगे। उन्हें मनाने के लिए स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी कैलाश चंदोला, ललित जोशी तथा लोनिवि के एई डीसी जोशी गए। उन्होंने वास्तविक स्थिति से ग्रामीणों को अवगत कराया। डामरीकरण के मामले में आए विवाद को जल्द सुलझा लिया जाएगा, लेकिन ग्रामीण अभी समस्या के समाधान की मांग पर अड़े रहे।

उपपा ने मतदाताओं व सहयोगियों का जताया आभार

अल्मोड़ा। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी ने अल्मोड़ा पिथौरागढ़ संसदीय क्षेत्र में उपपा व सहयोगी दलों को समर्थन करने वाले, सहयोग करने वाले सभी मतदाताओं, नागरिकों, निर्वाचन में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है।

उपपा के केंद्रीय अध्यक्ष पी सी तिवारी एवं पार्टी प्रत्याशी किरन आर्या ने कहा कि उनकी पार्टी सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्था परिवर्तन के साथ उत्तराखंड की अवधारणा से हो रहे खिलवाड़ के खिलाफ़ उत्तराखंडी अस्मिता की रक्षा के लिए संसद से सड़क तक संघर्ष ज़ारी रखेगी। मतदान समाप्त होने के बाद उपपा के केंद्रीय कार्यालय में हुई बैठक में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष पी सी तिवारी ने कहा कि इस लोक सभा चुनाव में उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों एवं सामाजिक बदलाव की संघर्षशील ताकतों के बीच नए सिरे से एकजुटता के प्रयास हुए हैं यदि ये प्रक्रिया ठीक से चल पाई तो उत्तराखंड के प्राकृतिक संसाधनों, ज़मीनों, व्यवसायों पर पूंजीपतियों, माफियाओं को कब्ज़ा कराने वाली सरकारी साजिशें बेनकाब होंगी और आम जनता का एक समृद्धशाली उत्तराखंड का सपना साकार होगा।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र में किया मतदान

बहिष्कार पर अड़ी बग्याली क्षेत्र की जनता ने महाराज के कहने पर किया मतदान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल स्थित सेडियाखाल के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बूथ नंबर 56 पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इससे पूर्व उन्होंने विकासखंड एकेश्वर के बग्याली के लोगों को मतदान करने के लिए भी मना लिया।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल स्थित सेडियाखाल के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बूथ नंबर 56 पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि सुबह से क्षेत्र के मतदाता बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पोलिंग बूथों पर पहुंचे जो कि लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत हैं। वोट देने के बाद श्री महाराज ने कहा कि लोकतंत्र के राष्ट्रीय पर्व में प्रदेश की जनता ने जिस प्रकार से बढ़ चढ़ कर भाग लिया वह भारत के स्वस्थ एवं सशक्त लोकतंत्र का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इतना ही नहीं कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने विकासखंड एकेश्वर के बग्याली की जनता को मतदान करने के लिए भी मना लिया। बग्याली क्षेत्र की जनता पिछले कई दिनों से मतदान के बहिष्कार पर अड़ी थी, लेकिन कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज के समझाने बुझाने पर उन्होंने मतदान के बहिष्कार का अपना निर्णय वापस ले लिया और बढ़चढ़ कर मतदान किया।

विधायक चीमा व निवर्तमान मेयर ने भी लाइन में लगाकर किया मतदान

काशीपुर। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, निवर्तमान मेयर ऊषा चौधरी ने अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर लाइन में लगकर मतदान किया। वहीं मतदान के बाद कई मतदाताओं ने बूथ के बाहर सेल्फी ली। शुक्रवार को बीआरसी में विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने सुबह लगभग 9:30 बजे बूथ पर पहुंचकर मतदान किया। साथ ही वहां पर मौजूद लोगों से चर्चा की। इस दौरान उनके साथ अन्य भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी वोट डाला। वहीं निवर्तमान मेयर ऊषा चौधरी ने इंदिरा गांधी स्कूल में वोट डाला। नगर निगम एमएनए विवेक राय रुद्रपुर ड्यूटी में होने के बाद भी काशीपुर मतदान के लिए पहुंचे और मतदान किया।

ग्रीष्म ऋतु में रिकॉर्ड संख्या में अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन कर रही है भारतीय रेल

सुगम और आरामदायक यात्रा के लिए 9111 फेरों का संचालन किया जाएगा

जयन्त प्रतिनिधि।

दिल्ली : यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने और गर्मियों के दौरान यात्रा की मांग में अपेक्षित वृद्धि को प्रबंधित करने के लिए भारतीय रेल गर्मियों के मौसम के दौरान रिकॉर्ड 9111 फेरों का संचालन कर रही है। 2023 की गर्मियों की तुलना में यह पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है, जहां कुल 6369 फेरों की पेशकश की गई थीं। यह 2742 फेरों की वृद्धि दर्शाता है, जो यात्रियों की मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। प्रमुख रेल मार्गों पर निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए देश भर के प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की सावधानी पूर्वक योजना बनाई गई है। समस्त जोनल रेल द्वारा देश भर में गर्मियों के मौसम में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों से यात्रियों की भीड़ भाड़ को कम करने के लिए इन अतिरिक्त फेरों को संचालित करने की तैयारी कर ली गई है। अतिरिक्त ट्रेनों की योजना बनाना और संचालित करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसके लिए किसी मार्ग विशेष पर चलने वाली रेलगाड़ियों की मांग का आकलन करने के लिए पीआरएस प्रणाली में प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के विवरण के अलावा मीडिया रिपोर्ट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, रेलवे इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन नंबर 139 जैसे सभी संचार चैनलों से 2477 इनपुट लिए जाते हैं। इस आवश्यकता के आधार पर, ट्रेनों की संख्या और फेरों की संख्या बढ़ाई जाती है। पूरे सीजन के लिए न तो ट्रेनों की संख्या और न ही अतिरिक्त ट्रेनों द्वारा संचालित फेरों की संख्या स्थिर रहती है। गर्मियों के मौसम में जोनल रेल को रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सभी प्रमुख और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ भाड़ के नियंत्रण की व्यापक व्यवस्था की गई है। भीड़ भाड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने के लिए सभी गतिविधियों की निगरानी के लिए इन स्टेशनों पर वरिष्ठ अधिकारी तैनात हैं। सामान्य श्रेणी के डिब्बों में प्रवेश के लिए कतार प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक स्टेशनों पर आरपीएफ कर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़ भाड़ वाली जगहों पर कड़ी नजर रखने और यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करने के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में कुशल आरपीएफ कर्मचारी तैनात किए गए हैं। भारी भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारी फुट ओवर ब्रिज पर तैनात किए जाते हैं। भारतीय रेल सभी यात्रियों को सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्री इन अतिरिक्त ट्रेनों में अपना टिकट रेलवे टिकट काउंटर या आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप के माध्यम से बुक कर सकते हैं।

रेलवे	जोनल रेल अधिसूचित फेरे
मध्य रेलवे	488
पूर्वी रेलवे	254
पूर्व मध्य रेलवे	1003
पूर्वी तट रेलवे	102
उत्तर मध्य रेलवे	142
पूर्वोत्तर रेलवे	244
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	88
उत्तर रेलवे	778
उत्तर पश्चिम रेलवे	1623
दक्षिण मध्य रेलवे	1012
दक्षिण पूर्व रेलवे	276
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	12
दक्षिण पश्चिम रेलवे	810
दक्षिणी रेलवे	239
पश्चिम मध्य रेलवे	162
पश्चिमी रेलवे	1878
कुल योग	9111

मामूली कहासुनी को छोड़कर जिले में शांतिपूर्ण मतदान

काशीपुर। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पूरे जिले में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। रुद्रपुर में डबल लाइन लगाने को लेकर महिला मतदाताओं के बीच धक्कामुक्की हुई। वहीं किच्छा और काशीपुर में मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर कुछ लोगों ने मतदान केंद्रों के बाहर हंगामा काटा। रुद्रपुर के ट्रांजिट कैंप की कृष्णा कॉलोनी स्थित वुडलैंड एकेडमी बूथ पर महिलाओं ने मतदान के लिए दो लाइनें बना लीं। मतदान करने के लिए दोनों लाइनों में लगी महिलाएं आपस में धक्कामुक्की करने लगीं। हालांकि बूथ पर तैनात महिला सुरक्षा कर्मी के समझाने पर महिलाएं मान गईं। वहीं किच्छा के गोविंद बल्लभ पंत स्कूल स्थित बूथ संख्या 87, 88 में मतदाता लिस्ट में नाम नहीं होने पर स्थानीय लोगों ने हंगामा काटा। लोगों का आरोप था कि बीएलओ ने जानबूझ कर लगभग 50 लोगों के नाम मतदाता लिस्ट से गायब कर दिए हैं।

मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग, नवमतदाता उत्साहित

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में लोकतंत्र के पर्व लोकसभा चुनाव के लिए मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। शुक्रवार को राज्य की सभी पांच सीटों के लिए मतदान हुआ। अल्मोड़ा पिथौरागढ़ सीट पर भी लोगों ने जोश के साथ मतदान किया। अल्मोड़ा जनपद में भी भी मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। करीब एक महीने तक लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान सबको सुनने के बाद आज मतदाता की बारी थी। अल्मोड़ा जनपद में मतदान सुबह सात बजे से शुरू हुआ जो शाम पांच बजे तक चला। चुनाव के दौरान अल्मोड़ा पुलिस मुस्तैदी के साथ अतैनात थी, साथ ही मतदान करने आ रहे बुजुर्ग, दिव्यांग जनों की पोलिंग बूथ तक आने में मदद की। जनपद में कई बूथों पर बुजुर्ग मतदाता डोली से पहुंचे। लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 के लिए अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र से 07 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। यहाँ भाजपा के उम्मीदवार अजय टम्टा, कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप टम्टा, बसपा उम्मीदवार नारायण राम, उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी की प्रत्याशी किरन आर्या, बहुजन मुक्ति पार्टी के ज्योति प्रकाश टम्टा, निर्दलीय उम्मीदवार अर्जुन प्रसाद, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक के उम्मीदवार प्रमोद कुमार चुनाव मैदान में थे। शुक्रवार को सभी प्रत्याशियों ने अपने बूथों में मतदान किया। लोकसभा चुनाव में पहली बार मताधिकार का प्रयोग कर रहे युवाओं में खासा उत्साह नजर आया। उन्होंने देश के विकास, रोजगार, स्वास्थ्य आदि मुद्दों पर प्रत्याशी को वोट देने की बात कही। यहाँ मतदान में कई नवविवाहित दूल्हा दुल्हनों ने शादी के लिबास में वोटिंग की तो कहीं जिनकी चुनाव के दिन शादी थी उन्होंने भी मतदान किया। कई मतदान केंद्रों पर बुजुर्ग, दिव्यांग मतदाता भी सहारा लेकर मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। जनपद के जिलाधिकारी विनीत तोमर और एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने भी मताधिकार का प्रयोग किया ।

काशीपुरः सौतेली मां ने नवरात्र में की बेटी की हत्या

काशीपुर। एक सौतेली मां ने नवरात्र की नवमी को आठ वर्षीय मासूम बेटी की निर्मम हत्या कर दी और उसका शव एक अर्द्धनिर्मित मकान के भरान में दबा दिया। खोज के दौरान पुलिस ने दबाया गया शव बरामद कर लिया। आरोपी महिला के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है।

पूछताछ में महिला ने हत्या की बात कबूल कर ली है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आईटीआई क्षेत्र के खड़कपुर देवीपुरा निवासी मोनू प्रजापति बिजली फिटिंग का काम करता है। पांच वर्ष पूर्व उसकी पत्नी रीना देवी की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। उसके दो पुत्रियां सोनी व तनु हैं। तनु अपनी बुआ के घर रहती है।

सुबह 11 बजे तक मतदान में तेजी, उसके बाद आई कमी

बागेश्वर। लोकसभा चुनाव में इस बार सुबह के समय मतदान में तेजी आई। दिन में गर्मी के चलते एक बार मतदान में कमी आई, लेकिन शाम के समय फिर से बूथों पर भीड़ देखने को मिली।

इस बार बूथों पर भाजपा व कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भी संख्या कम थी। भाजपा ने हर बूथ पर कार्यकर्ता तैनात किए थे, लेकिन कांग्रेस ने कई बूथों पर एजेंट तक नहीं तैनात किए। जिले में सुबह मॉक पोल होने के बाद सात बजे मतदान शुरू हुआ। मतदान शुरू होते ही लोग घरों से मतदान के लिए निकल पड़े। पहले दो घंटे के अपेक्षा अगले दो घंटे में अधिक मतदान हुआ। यानि 11 बजे तक लोग मतदान के लिए पहुंचने लगे। इसके बाद तीन बजे तक औसत मतदान हुआ। इस दौरान कई बूथों पर सन्नाटा पसरा रहा, लेकिन तीन बजे बाद जैसे ही धूप की गर्मी कम हुई तो मतदान प्रतिशत बढ़ गया। एक बार लोग मतदान केंद्र तक पहुंचने लगे। ग्रामीण क्षेत्र में जहां इन दिनों गेहूं कटाई का काम चल रहा है वहीं शादी विवाह कार्यक्रम भी चल रहे हैं। इस कारण भी लोगों ने सुबह के समय मतदान में अधिक भाग लिया। शाम के समय कई गांवों में महिला संगीत के अलावा शादी विवाह कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं।

सभी चुनें सही चुनें : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने आज राष्ट्र निर्माण हेतु चुनाव महायज्ञ में अपने वोट की आहुति राष्ट्र निर्माण हेतु समर्पित की। राष्ट्र आगे बढ़े, संस्कृति व संस्कार आगे बढ़े, विकास और विरासत दोनों साथ–साथ चले, साइंस और स्पिरिचुअलिटी दोनों साथ–साथ आगे बढ़ते रहे। संस्कृति, प्रकृति और संतति सभी दिव्यता के साथ आगे बढ़ते रहे।

स्वामी जी ने कहा कि मतदान, हमारा प्रथम कर्तव्य, जिम्मेदारी और अधिकार भी है, आइये मतदान करें, सही चुनें व सभी चुनें और लोकतंत्र के महापर्व का उत्सव मनाये। राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि है, राष्ट्रहित सर्वोपरि है और राष्ट्रधर्म सर्वोपरि है। हमारा वोट बहुमूल्य है इसलिये आइए इसका सही उपयोग करें। ह्णइदं राष्ट्राय इदं न ममह्व!!

स्वामी जी ने कहा कि अक्सर हम हर समय हक की बात करते हैं कि मेरे हक के लिये क्या? मतदान, हमारा हक भी है और जिम्मेदारी भी है। राष्ट्र निर्माण के चुनाव महायज्ञ में अपने–अपने हक की महाआहुति डाले इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। हम दान पेटी में दान डालते हैं इससे जरूरी नहीं है कि संस्कार और संस्कृति बचेगी परन्तु अगर मतपेटी में राष्ट्र हित में अगर हमने मतदान किया तो निश्चित रूप से संस्कृति भी बचेगी और संतति भी बचेगी इसलिये मतदान करें क्योंकि यही समय है और सही समय है। आईये यह तो शुरूआत है और यही अवसर है इसलिये सभी चुनें और सही चुनें।

स्वामी जी ने कहा कि लोकतंत्र, भारत की आत्मा है। लोकतंत्र, भारत की जननी है और इस लोकतंत्र रूपी जननी की गोद में समानता, सद्भाव, समरसता और समावेशिता पोषित होती है। भारतीय लोकतंत्र के दर्शन में राजधर्म और प्रजाधर्म दोनों ही समाहित हैं। भारत के लोकतंत्र के इस विशाल और गहन इतिहास की नींव में चुनाव सबसे अहम भूमिका निभाता है। किस का चुनाव करें, किसे चुनें इस पर विचार करना नितांत आवश्यक है। भारतीय नागरिकों का चुनाव सही होगा तो परिणाम भी सही प्राप्त होंगे। सरकार और नागरिक का शासक और शासित का नहीं बल्कि पिता व संतान के समान रिश्ता होता है और यह रिश्ता एक और दो दिनों का नहीं बल्कि पूरे पांच वर्षों का होता है। सरकार चुनते हुये यह जरूर ध्यान रखें कि देश के हर कोने में रहने वाले व्यक्ति को मौलिक सुविधायें, गरिमापूर्ण जीवन प्राप्त हो तथा सभी का कल्याण सुनिश्चित हो और यह जनता की पूर्ण भागीदारी के बिना सम्भव नहीं हो सकता। अब समय आ गया है कि सभी मिलकर एक ऐसी सरकार चुनें जो भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत, मौलिक मूल्य, समृद्ध इतिहास और नैतिक मूल्यों का संवर्द्धन करे। जो भारत को भारत की दृष्टि से देखे और भावी पीढ़ियों के लिये इन मूल्यों को शाश्वत बनाये रखे।

लोकतंत्र ने भारतीय नागरिकों को सरकार चुनने का ह्णह्णचुनावह्णह्ण का अधिकार देकर एक बहुत बड़ी शक्ति प्रदान की हैं। चुनाव की शक्ति बेहतर भविष्य के स्तंभ की तरह कार्य करती हैं परन्तु सही समय पर इस शक्ति का उपयोग सभी को करना होगा और सही उम्मिदवार का चुनाव करना होगा। आपका चुनाव आपके पांच वर्ष के भविष्य का निर्धारण करेगा इसलिये आईये सभी चुनें और सही चुनें। सोच–समझ कर उसे चुने हो भारत के लिये जीता हो, जिसमें भारत की झलक दिखायी देती हो, जो हर प्राणी और हर प्रांत में भारत को देखता हो और जिसके विकास की राह गांवों से शहरों और शहरों से गांवों की ओर समान रूप से हो।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com